राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 23 मार्च 2025 वर्ष-8,अंक-32 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

अमेरिका ने उतारा दुनिया का सबसे अत्याधुनिक फाइटर जेट एफ-47

- एफ-47 ने आधुनिक हवाई युद्ध की नई पीढ़ी को जन्म देने की योजना बनाई

वाशिंगटन । अमेरिका ने अपनी सैन्य शक्ति को और बढ़ाने के लिए दुनिया का सबसे अत्याधुनिक फाइटर जेट एफ-47 को पेश किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस फाइटर जेट को दुनिया के सामने रखकर उसकी महामारी और अद्भुत क्षमताओं की हस्ताक्षर किए। एफ-47 ने अपने गुप्त रूप से उड़ान भरने की योग्यता और हाई-टेक नेक्स्ट-जनरेशन ड्रोन के साथ काम करने की क्षमता से लोगों को चौंका दिया है। ट्रंप ने बताया कि एफ-47 का यह कॉन्ट्रेक्ट एफ-22 स्टील्थ वॉरप्लेन के रिप्लेसमेंट के लिए है, जो 1980 के दशक में डेवलप किया गया था। इस नए फाइटर जेट का मानव-संचालित जेट होगा, जो विशेष रूप से चीन और अन्य दुश्मनों के एयर डिफेंस सिस्टम को चुनौती देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसकी कीमत के बारे में सोचने से पहले ही कोई भी विमान 300 मिलियन डॉलर की कीमत से ऊपर हो सकती है, जो कि एक बड़ा और महत्वपूर्ण निवेश हो सकता है। यूएस एयरफोर्स के उच्च स्तरीय अधिकारी ने बताया कि एफ-47 ने आधुनिक हवाई युद्ध की नई पीढ़ी को जन्म देने की योजना बनाई है। इसका वास्तविक नाम अभी तक आधिकारिक तौर से खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन इस उपलब्धि के माध्यम से अमेरिका ने अपनी सुरक्षा में एक नया मोर्चा स्थापित किया है।

इसमें कोई शक नहीं कि जम्मू-कश्मीर विकास के रास्ते पर है: शर्मा

अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद आतंकवाद को करारा झटका लगा

जम्मू। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार में जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में कमी आई है। शाह के इस बयान पर अब बीजेपी विधायक और जम्मू-कश्मीर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई शह नहीं है कि जम्मू-कश्मीर विकास के रास्ते पर है। सुनील शर्मा ने कहा कि अमित शाह ने बहुत स्पष्ट कहा है कि 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर विकास के रास्ते पर चल पड़ा है। साल 2019 में अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद आतंकवाद को करारा झटका लगा है। जम्मू-कश्मीर में स्थानीय स्तर पर आतंकियों की भर्ती खत्म हुई है और विदेशी आतंकियों पर भी कार्रवाई हो रही है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकियों पर हुई कार्रवाई से प्रदेश में अब व्यापक रूप से विकास हो रहा है। जम्मू-कश्मीर में अब फोरलेन बन रहे हैं। कई एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य जारी है और कई संस्थान बनाए जा रहे हैं। हालांकि, दुर्भाग्य है कि राहुल गांधी की आंखों पर अभी भी काला चश्मा लगा है। वे अपनी भारत जोड़ो यात्रा के तहत कश्मीर में आए और यहां आकर उन्होंने बर्फ से भी खेला। मगर उन्हें तो आतंकी ही दिखाई देते हैं। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर असदुद्दीन ओवैसी के बयान को लेकर शर्मा ने कहा कि असदुद्दीन ओवैसी से आप और क्या उम्मीद कर सकते हैं? क्या उन्होंने कभी ऐसे किसी सुधार का समर्थन किया है जिससे इस राष्ट्र की प्रगति और विकास में योगदान मिला हो? तो अब आप उनसे कुछ अलग की उम्मीद कैसे कर सकते हैं।

गोधरा के बाद हुए दंगों के मामले के छह आरोपियों को सुप्रीम कोर्ट ने बरी किया

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात के गोधरा कांड के बाद हुए दंगों के मामले के छह आरोपियों को बरी किया। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाकर कहा कि किसी मामले में सिर्फ मौके पर मौजूद होना या वहां से गिरफ्तारी होना यह साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं है कि वे गैरकानूनी भीड़ के हिस्सा थे। जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने गुजरात हाईकोर्ट के 2016 के फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें गोधरा कांड के बाद 2002 में हुए दंगों के मामले में छह लोगों को बरी करने के फैसले को पलट दिया था। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि सिर्फ मौके पर मौजूद होना या वहां से गिरफ्तारी होना यह साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं है कि वे गैरकानूनी भीड़ का हिस्सा थे। धीरूभाई भाईलालभाई चौहान और पांच अन्य को तब घटना में एक साल की जेल की सजा सुनाई गई थी, जिसमें कथित तौर पर भीड़ ने वडोद गांव में एक कब्रिस्तान और एक मस्जिद को घेर लिया था। सभी अपीलकर्ता आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया था। निचली अदालत ने सभी 19 आरोपियों को बरी किया था, लेकिन हाईकोर्ट ने उसमें 6 को दोषी ठहराया। एक आरोपी की मामला लंबित रहने के दौरान मौत हो गई थी। अपीलकर्ताओं सहित 7 लोगों को एफआईआर में नामजद किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने एक निचली अदालत के 2003 के फैसले को बहाल कर उन्हें बरी किया। कोर्ट ने कहा कि किसी भी तरह की दोषी भूमिका के अभाव में मौके पर उनकी गिरफ्तारी 28 फरवरी 2002 को वडोद में हुई घटना में उनकी संलिप्तता के बारे में बताती बेंच ने कहा कि पुलिस ने गोलीबारी की, जिससे लोग इधर-उधर भागने लगे। इस तरह की झड़प में एक निर्दोष व्यक्ति को भी अपराधी समझा जाता है। इसलिए, अपीलकर्ताओं की मौके से गिरफ्तारी उनकी दोषी होने की गारंटी नहीं है। बेंच ने कहा कि सामूहिक झड़पों में अदालतों पर यह सुनिश्चित करने का भारी दायित्व होता है कि किसी भी निर्दोष व्यक्ति को दोषी न ठहराया जाए और उसकी स्वतंत्रता छीनी न जाए।

भारत की सुरक्षा को नई ताकत,

एटीएजीएस आर्टिलरी गन सिस्टम को 7,000 करोड़ रुपये की मंजूरी

नेशनल डेस्क-

भारत ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है जिससे देश के रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में क्रांतिकारी बदलाव आ सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा पर कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने लगभग 7,000 करोड़ रुपये की लागत से भारत निर्मित एडवांस्ड टोड आर्टिलरी गन सिस्टम (एटीएजीएस) के अधिग्रहण को मंजूरी दी है। यह निर्णय भारत के रक्षा उद्योग को मजबूत करने और सशस्त्र बलों की क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। एटीएजीएस (Advanced Towed Artillery Gun System) को स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित किया गया है। यह 155 मिमी आर्टिलरी गन है, जो अपनी अत्याधुनिक तकनीक और बेहतर मारक क्षमता के साथ भारतीय सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमताओं को कई गुना बढ़ाने के लिए तैयार है। यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि अब तक भारत को अपनी आर्टिलरी गन के लिए विदेशों पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन एटीएजीएस के साथ अब पूरी प्रणाली स्वदेशी रूप से उपलब्ध होगी।

एटीएजीएस की विशेषताएँ

एटीएजीएस एक उन्नत आर्टिलरी गन है, जिसमें 52-कैलिबर की लंबी बैरल है, जो 40 किलोमीटर तक की फायरिंग रेंज की अनुमति देती है। इस प्रणाली का उच्च कैलिबर और मारक क्षमता इसे एक गेम-चेंजर बनाता है। इसके अलावा, स्वचालित तैनाती और लक्ष्य सगाई की प्रणाली इसे और भी प्रभावी बनाती है, जिससे चालक दल की थकान कम होती है और अधिक विस्फोटक पेलोड प्रदान होता है। एटीएजीएस को भारतीय रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) और भारतीय निजी उद्योग भागीदारों के बीच सहयोग से विकसित किया गया है। इस प्रणाली के 65 प्रतिशत से अधिक घटक स्वदेशी स्तर पर बनाए गए हैं, जैसे बैरल, थूथन ब्रेक, ब्रीच मैकेनिज्म, फायरिंग और रिकॉइल सिस्टम, और गोला-बारूद हैंडलिंग मैकेनिज्म। इसका मुख्य उद्देश्य भारत की रक्षा उद्योग क्षमता को बढ़ाना और विदेशी आयात पर निर्भरता को कम करना है।

भारतीय सेना के लिए एक बड़ी रणनीतिक उपलब्धि

एटीएजीएस को भारतीय सेना की तोपखाने प्रणाली में शामिल किया जाएगा, जिससे पुरानी 105 मिमी और 130 मिमी की तोपों को स्थानांतरित किया जाएगा। यह नई प्रणाली सेना के पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं पर तैनात की जाएगी, जिससे सशस्त्र बलों को रणनीतिक बढ़त मिलेगी। इसके साथ ही भारतीय सेना की मारक क्षमता और परिचालन तत्परता में वृद्धि होगी, जो भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में मददगार साबित होगी।

'मेक इन इंडिया' पहल के तहत महत्वपूर्ण कदम

एटीएजीएस का विकास भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल का एक बेहतरीन उदाहरण है। इस स्वदेशी गन सिस्टम का निर्माण भारतीय कंपनियों द्वारा किया गया है, जिससे देश में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। अनुमान है कि इस प्रणाली के उत्पादन से विभिन्न उद्योगों में करीब 20 लाख मानव-दिवस का रोजगार सृजन होगा। इसके साथ ही, यह भारत के रक्षा क्षेत्र में वैश्विक निर्यात को बढ़ावा देने का अवसर भी प्रदान करेगा, जिससे भविष्य में भारत के रक्षा उत्पादों की निर्यात क्षमता मजबूत होगी।

टेलीकॉम फ्रॉड: 3.4 करोड़ से ज्यादा मोबाइल फोन बंद, 3.19 लाख आईएमईआई नंबर ब्लॉक

16.97 लाख वॉट्सएप अकाउंट भी ब्लॉक किए गए

नई दिल्ली ।

केंद्र की मोदी सरकार ने बताया कि टेलीकॉम फ्रॉड से निपटने के लिए संचार साथ पोर्टल के द्वारा अब तक 3.4 करोड़ से ज्यादा मोबाइल फोन को बंद किया गया है और 3.19 लाख आईएमईआई नंबर को ब्लॉक कर दिया गया है। दूरसंचार विभाग ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बिग डेटा की मदद से 16.97 लाख वॉट्सएप अकाउंट भी ब्लॉक किए गए हैं। राज्यसभा में संचार और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने कहा कि दूरसंचार विभाग की संचार साथी पहल के तहत 20,000 से ज्यादा बल्क एसएमएस भेजने वालों को भी ब्लैकलिस्ट किया है। मोदी सरकार के संचार साथी पोर्टल पर नागरिकों को चक्षु की मदद से संदिग्ध धोखाधड़ी से जुड़े कम्युनिकेशन को रिपोर्ट करने की सुविधा मिलती है। मंत्री डॉ. पेम्मासानी ने कहा कि संदिग्ध धोखाधड़ी से जुड़ी शिकायतें मिलने के बाद दूरसंचार विभाग इनकी जांच करता है। इसके बाद जांच में गलत मिले नंबर को ब्लॉक कर दिया जाता है। व्यक्तिगत रूप से रिपोर्ट किए गए संदिग्ध धोखाधड़ी कम्युनिकेशन पर कार्रवाई करने के बजाय दूरसंचार विभाग अपनी जांच के लिए क्राउड-सोर्स डेटा का इस्तेमाल करता है, ताकि टेलीकॉम रिसोर्सेस का गलत इस्तेमाल होने से रोका जा सके। दूरसंचार विभाग एआई बेस्ड टूल्स और बिग डेटा एनालिसिस के साथ नकली दस्तावेजों पर लिए गए संदिग्ध मोबाइल कनेक्शनों की पहचान करता है। इसके अलावा, दूरसंचार विभाग और दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) ने ऐसी अंतरराष्ट्रीय स्पूफ कॉलों की पहचान करने के लिए एक नया सिस्टम तैयार किया है, जो असल में विदेशों से होती हैं और भारत से आने वाली कॉल दिखाती हैं। इस सिस्टम के साथ इस तरह की कॉल की पहचान रियल टाइम में की जा सकती है और नंबर को ब्लॉक कर सकते है। इस बीच, दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने 1,150 संस्थाओं/ व्यक्तियों को ब्लैकलिस्ट किया है और 18.8 लाख से ज्यादा रिसोर्सेस को डिस्कनेक्ट कर दिया है। इन कार्रवाइयों के साथ अनरजिस्टर्ड टेलीमार्केटर्स (यूटीएम) के खिलाफ शिकायतों में कमी आई है, जो कि अगस्त 2024 में 1,89,419 थीं और जनवरी 2025 में घटकर 1,34,821 बची है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने 12 फरवरी को दूरसंचार वाणिज्यिक संचार ग्राहक वरीयता विनियम (टीसीसीसीपीआर), 2018 में संशोधन किया। अब ग्राहक स्पैम/ अनसॉलिसिटेड कमर्शियल कम्युनिकेशन (यूसीसी) को लेकर स्पैम मिलने के सात दिन के भीतर शिकायत दर्ज करा सकता है। पहले यह समय सीमा 3 दिन थी। इसके अलावा, अनसॉलिसिटेड कमर्शियल कम्युनिकेशन (यूसीसी) को लेकर अनरजिस्टर्ड सेंडर के खिलाफ एक्सेस प्रोवाइडर द्वारा कार्रवाई करने की समय सीमा भी 30 दिनों से घटाकर 5 दिन कर दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट के जजों का प्रतिनिधिमंडल मणिपुर पहुंचा, विस्थापितों से करेगा मुलाकात

न्यायमूर्ति कोटिश्वर मेइती समुदाय से हैं इसलिए उनका हो रहा विरोध

इंफाल। सुप्रीम कोर्ट के जजों का एक प्रतिनिधिमंडल शनिवार सुबह मणिपुर पहुंचा। जज मणिपुर में जातीय हिंसा के कारण विस्थापित हुए लोगों से मिले। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि जस्टिस बी आर गवई के नेतृत्व में शीर्ष अदालत के प्रतिनिधिमंडल का हवाई अड्डे पर पहुंचने पर राज्य के वकीलों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया।

न्यायाधीश राहत शिविरों का दौरा करेंगे और चुराचांदपुर जिले में लघु सचिवालय से कानूनी सेवा शिविरों, कानूनी सहायता केन्द्रों और अस्थायी चिकित्सा केन्द्रों का वर्चुल माध्यम से उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वे बिष्णुपुर में मोइरांग कॉलेज में एक राहत शिविर जाएंगे। इस संबंध में एक न्यायाधीश ने कहा कि हम अभी यहां आए हैं और आगे के कार्यक्रम को लेकर आशान्वित हैं। अधिकारियों ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल में शामिल न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह मेइती समुदाय से हैं और वह कुकी बहुल चुराचांदपुर जिले का दौरा नहीं करेंगे क्योंकि वहां वकीलों के एक संगठन ने इस पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति सिंह बिष्णुपुर जिले का दौरा करेंगे।

ऑल मणिपुर बार एसोसिएशन' (एएमबीए) ने चुराचांदपुर जिले की बार एसोसिएशन से आग्रह किया है कि वह मेइती समुदाय से ताल्लुक रखने वाले सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश को कुकी-जो बहुल क्षेत्र का दौरा करने से रोकने वाले अपने निर्देश को वापस ले। एएमबीए के अध्यक्ष ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के जजों का यह दौरा ऐतिहासिक और अपनी तरह का पहला दौरा है।

चंडीगढ़ में पाकिस्तान निर्मित हैंड ग्रेनेड से हमला: एनआईए चार्जशीट से हुआ खुलासा

चंडीगढ़।

ंडीगढ़ के सेक्टर-10 स्थित कोठी नंबर-575 में हुए हैंड ग्रेनेड हमले के पीछे पाकिस्तान में बैठे आतंकियों का हाथ होने की पुष्टि हुई है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अपनी चार्जशीट में खुलासा किया कि इस हमले में इस्तेमाल किया गया एचजी-84 हैंड ग्रेनेड पाकिस्तान में निर्मित था।

एनआईए की चार्जशीट के अनुसार, इस हमले की साजिश पाकिस्तान में रह रहे आतंकी हरविंदर सिंह रिंदा और यूएसए बेस्ड गैंगस्टर हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया ने रची थी।

गौरतलब है कि 10 सितंबर की शाम लगभग 6 बजे दो अज्ञात हमलावर ऑटो से आए और कोठी में ग्रेनेड फेंककर फरार हो गए थे।

टारगेट था रिटायर्ड एसपी

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि यह कोठी पंजाब पुलिस के रिटायर्ड एसपी जसकीरत सिंह चहल की थी, जो कुछ समय पहले तक यहां रहते थे। हमलावरों का मकसद चहल को निशाना बनाना था, लेकिन घटना के वक्त वह कोठी में मौजूद नहीं थे, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

दो आरोपी गिरफ्तार, ऑटो चालक भी हिरासत में

एनआईए की कार्रवाई में इस मामले से जुड़े दो आरोपियों रोहन और विशाल मसीह को गिरफ्तार किया गया है। इन दोनों ने 500 रुपये में ऑटो किराये पर लेकर सेक्टर-43 आईएसबीटी से सेक्टर-10 तक यात्रा की थी। पुलिस ने ऑटो चालक कुलदीप को भी गिरफ्तार किया है।

रिंदा-पासिया की टारगेट किलिंग साजिश का पर्दाफाश

जांच में खुलासा हुआ कि गैंगस्टर हैप्पी पासिया और आतंकी हरविंदर सिंह रिंदा मिलकर भारत में टारगेट किलिंग की योजना बना रहे थे। एनआईए ने बताया कि 2023 में पंजाब और चंडीगढ़ में कई हत्याओं के लिए कुछ युवकों को निशाना बनाया गया था।

इससे पहले, स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) ने मोहाली से चार युवकों को गिरफ्तार किया था, जिन्होंने पूछताछ में टारगेट किलिंग की साजिश का खुलासा किया था।

एआई के बुरे नतीजे, मॉर्गन स्टेनली ने 2,000 कर्मचारियों को निकालने का ऐलान किया

मुंबई ।

दुनियाभर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल को लेकर नौकरियों पर खतरे की आशंका है। अब इस आशंका को सच साबित कर बैंकिंग क्षेत्र की दिग्गज कंपनी मॉर्गन स्टेनली ने बड़ी संख्या में कर्मचारियों की छंटनी का फैसला किया है। बैंक ने घोषणा की है कि वे अपने 80,000 कर्मचारियों में से 2,000 को इस माह के अंत तक नौकरी से निकाल देगी। बैंक ने छंटनी की मुख्य वजह कमजोर प्रदर्शन और एआई एवं ऑटोमेशन का बढ़ता प्रभाव बताया है। हालांकि, यह फैसला हैरान करने वाला है, क्योंकि मॉर्गन स्टेनली ने 2024 में 61.8 बिलियन डॉलर का रिकॉर्ड राजस्व अर्जित किया था। बावजूद इसके, बैंक ने लागत में कटौती और दक्षता बढ़ाने के लिए यह कदम उठाने का निर्णय लिया है।

मॉर्गन स्टेनली में यह छंटनी नए सीईओ टेड पिक के नेतृत्व में की जा रही है। यह उनके कार्यकाल की पहली बड़ी छंटनी बताई जा रही है, जिसका असर बैंक के विभिन्न विभागों पर पड़ेगा। हालांकि, 15,000 फाइनेंशियल एडवाइजर्स की नौकरियों को सुरक्षित रखा गया है। बैंक का कहना है कि उसकी रणनीति लागत को कम करना है, क्योंकि कर्मचारियों के कंपनी छोड़ने की दर काफी कम हो गई है और एआई का उपयोग बढ़ने से काम को कम संसाधनों में अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। मॉर्गन स्टेनली ने हाल के वर्षों में कई एआई टूल्स विकसित किए हैं, जो बैंकिंग सेवाओं को तेज और कुशल बनाने में मदद कर रहे हैं। सितंबर 2023 में, बैंक ने एक एआई नॉलेज असिस्टेंट लांच किया, जो फाइनेंशियल एडवाइजर्स को रिसर्च में तेजी से जानकारी खोजने में मदद करता है। रिपोर्ट के मुताबिक, केवल मॉर्गन स्टेनली ही नहीं, बल्कि जेपी मॉर्गन और गोल्डमैन सॉक्स सहित 100 बड़े बैंकों के अधिकारी मानते हैं कि अगले 3 से 5 वर्षों में एआई के कारण 3 प्रतिशत नौकरियां खत्म हो जाएंगी। अमेरिका में करीब 200,000 नौकरियों पर खतरा मंडरा रहा है। एआई और ऑटोमेशन के बढ़ते प्रभाव से बैंकिंग और अन्य क्षेत्रों में नौकरियों की स्थिति अस्थिर होती जा रही है। आने वाले समय में यह संख्या और बढ़ सकती है, जिससे लाखों कर्मचारियों को अपनी नौकरियों पर खतरा महसूस हो सकता है।

परिसीमन मामले में दक्षिण राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक में बोले स्टालिन- हमारी पहचान खतरे में

-भाजपा ने विरोध प्रदर्शन कर दिखाए काले झंडे

चेन्नई।

लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर शनिवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की अगुवाई में चेन्नई में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में पांच राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों सहित 14 नेता शामिल हुए। बैठक में परिसीमन के संभावित प्रभावों पर चिंता जताई गई और केंद्र सरकार से दक्षिणी राज्यों के प्रतिनिधित्व को बनाए रखने की मांग की गई।

इस महत्वपूर्ण बैठक में शामिल हुए प्रतिनिधियों से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा, कि परिसीमन के मुद्दे पर हमें एकजुट रहना होगा, वरना हमारी पहचान खतरे में पड़ जाएगी। संसद में हमारे प्रतिनिधित्व में कटौती नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने सुझाव दिया कि एक संयुक्त कार्रवाई समिति बनाई जाए, जो इस मुद्दे पर लोगों में जागरूकता फैलाए और केंद्र तक अपनी बात पहुंचाए। स्टालिन ने कहा कि हम परिसीमन के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि निष्पक्ष परिसीमन के पक्ष में हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि एक्सपर्ट्स पैनल गठित कर कानूनी पहलुओं पर विचार किया जाए, ताकि इस राजनीतिक लड़ाई को सही दिशा में आगे बढ़ाया जा सके।

केरल सीएम पिनाराई बोले- यह मुद्दा तलवार की तरह लटक रहा

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने चिंता जाहिर की और कहा, कि परिसीमन का मुद्दा दक्षिणी राज्यों के लिए तलवार की तरह लटक रहा है। भाजपा सरकार इस पर बिना किसी परामर्श के आगे बढ़ रही है। उत्तर भारत में भाजपा का प्रभाव अधिक है, इसलिए वहां सीटें बढ़ाने और दक्षिण में घटाने की योजना बनाई जा रही है, जो असमानता को बढ़ावा देगा।

बैठक में शामिल हुए कई बड़े नेता

इस अहम बैठक में दक्षिण और अन्य राज्यों के बड़े राजनीतिक नेताओं ने भाग लिया, जिनमें तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के साथ ही केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन समेत तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव, ओडिशा कांग्रेस अध्यक्ष भक्त चरण दास और बीजू जनता दल के नेता संजय कुमार दास बर्मा प्रमुख रहे।

आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर अपील की कि किसी भी राज्य के लोकसभा और राज्यसभा में प्रतिनिधित्व में कटौती न की जाए। उन्होंने कहा कि परिसीमन की प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए कि सदन की कुल सीटों की संख्या प्रभावित न हो।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत अमेरिका के बहुत अच्छे संबंध है,परंतु टैरिफ़ एक बाधा

(लेखक- किशन सनमुखदास भावनानीं)

ट्रंप ने मार्च की शुरुआत में कहा था कि भारत अपने शुल्क में काफी कटौती करने पर सहमत हो गया है। हालांकि, वाणिज्य सचिव ने 10 मार्च को एक संसदीय समिति को बताया था कि इस बारे में बातचीत अभी जारी है और भारत एवं अमेरिका के बीच व्यापार शुल्क पर अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है ऐसी जानकारीआई।

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के हर देश को ट्रंप के राष्ट्रपति चुने जाने से किसी न किसी रूप में चाहे वह आर्थिक, अवैध नागरिकता समस्या, टैरिफ, अमेरिकी फर्स्ट इत्यादि अनेकों एक्शन से दुनियाँ में तहलका मचा हुआ है। दुनियाँ भर की इकोनॉमीज में बवाल मचा हुआ है। ट्रंप ने मैक्सिको से लेकर चीन और कनाडा तक टैरिफ वॉर छेड़ा है, वहीं 2 अप्रैल में वह भारत के खिलाफ भी टैरिफ लगाने की बात कह चुके हैं।इस बीच अमेरिका में आने वाले महीनों में मंदी की आशंका गहराती जा रही है। अगर इन दोनों का पेच ज्यादा गहराता है तो भारत के सबसे ज्यादा बढ़ने वाला बिजनेस पर गंभीर नकारात्मक असर पढ़ सकता है। परंतु मेरा मानना है कि इन सब एक्शन से हालांकि अनेकों देशों पर नेगेटिव असर होगा,तो अमेरिका भी इसे अछूता नहीं रहेगा क्योंकि वहां भी मंदी के बादल छाए हुए हैं। अमेरिका द्वारा टैरिफ़ बढ़ाने से एक बड़ा वर्ग बाधित होगा।अन्य देशों से आने वाली वस्तुओं पर टैक्स बोझबढ़ने से महंगी हो जाएगी, जबकि घरेलू वस्तुएं ऑलरेडी ही महंगी है, तो सबसे पहले उसका उपयोग या उपभोग होगा, जिसका असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर जरुर पड़ेगा जो रेखांकित करने वाली बात है। आज यह मुद्दा हम इसलिए उठा रहे हैं, क्योंकि दिनांक 20 मार्च 2025 को भारतीय समय अनुसार देररात्रि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप का बयान आया कि उनके भारत के साथ बहुत अच्छे संबंध तो है,परंतु अड़चन यह है कि भारत टैरिफ किंग है, दुनियाँ में उच्च टैरिफ वाले देशों की सूची में भारत मुख्य स्थान पर है, इसीलिए ट्रंप ने भारत को अल्टीमेटम दिया है कि,यदि टैरिफ कम नहीं किया गया तो 2 अप्रैल 2025 से अमेरिका भारत पर भी रेंसिप्रोकल टैक्स लगा देगा,जिसके दूरगामी नकारात्मक असर का दोनों देशों को भुगतना पड़ेगा। भारत में खासकर आईटी क्षेत्र में इसका अधिक असर पड़ेगा, हालांकि अन्य क्षेत्रों में भी असर पड़ने की पूरी संभावना है, इसलिए भारत को चाहिए कि एक रणनीतिक व्यवस्था के तहत सभी पहलुओंको ध्यान मेंरखकर निर्णय लेने की आवश्यकता है। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत को अमेरिका से राजनीतिक संबंधों को मजबूत करने, अच्छे व्यापारिक संबंध बनाए रखनें, विवादों से बचने विज़न 2047 को रेखांकित कर सटीक निर्णय लेने की आवश्यकता है। साथियों बात अगर हम अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की अमेरिकी वेबसाइट से दिनांक 20 मार्च 2024 को देर रात्रि हुई बातचीत की करें तो, ट्रंप ने कहा है कि भारत से साथ बहुत अच्छे संबंध होने के बावजूद एकमात्र समस्या यह है कि भारत दुनियाँ में सबसे अधिक सीमा शुल्क लगाने वाले देशों में से एक है, इसके साथ ही ट्रंप ने दो अप्रैल से भारत से होने वाले आयात पर जवाबी सीमा शुल्क लगाने की अपनी धमकी भी दोहराई। ट्रंप ने अमेरिकी समाचार वेबसाइट के साथ साक्षात्कार में भारत के साथ अमेरिका के संबंधों पर चर्चा के दौरान यह बात कही।अमरीकी राष्ट्रपति ने कहा है कि भारत की ओर से जल्दी ही उनके देश के सामानों पर टैरिफ कम करने का फैसला हो सकता है। ट्रंप ने एक इंटरव्यू में यह बात कही है। ट्रंप ने एक तरफ भारत के टैरिफ कम करने का भरोसा जताते हुए धमकी भी दी है। ट्रंप ने कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि भारत, अमरीकी सामान पर लगने वाले टैरिफ को कम करेगा। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अगर भारत ऐसा नहीं करता है, तो दो अप्रैल से उनकी सरकार भी भारत पर उतना ही टैरिफ लगाएगी, जितना भारत द्वारा लगाया जाता है। ट्रंप ने भारत की तरफ से अमेरिकी उत्पादों पर लगाए गए उच्च शुल्क की बार-बार आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि भारत बहुत अधिक शुल्क लगाने वाला देश है,वह अतीत में भी भारत को टैरिफ किंग करार दे चुके हैं।पिछले महीने व्हाइट हाउस में पीएम के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के दौरान भी ट्रंप ने कहा था कि भारत सीमा शुल्क के मामले में बहुत सख्त रहा है। ट्रंप ने मार्च की शुरुआत में कहा था कि भारत अपने शुल्क में काफी कटौती करने पर सहमत हो गया है। हालांकि, वाणिज्य सचिव ने 10 मार्च को एक संसदीय समिति को बताया था कि इस बारे में बातचीत अभी जारी है और भारत एवं अमेरिका के बीच व्यापार शुल्क पर अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है ऐसी जानकारीआई।

साथियों बात अगर हम ट्रंप द्वारा भारत-पश्चिम एशिया -यूरोप आर्थिक गलियारे पर टिप्पणी करने की करें तो उन्होंने कहा, भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक कॉरिडोर को लेकर कहा कि इससे विरोधी देशों का मुकाबला करने में मदद मिलेगी।पीएम के साथ पिछले महीने हुई वार्ता के बारे में पूछे जाने पर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ उनके बेहद अच्छे संबंध हैं। भारत के साथ मेरी एकमात्र समस्या यह है कि वह दुनिया में सबसे अधिक शुल्क लगाने वाले देशों में से एक हैं। हालांकि मेरा मानना है कि भारत उन शुल्कों को काफी हद तक कम करने जा रहा है ,क्योंकि हम भी दो अप्रैल से हम उनसे वही शुल्क वसूलेंगे जो वे हमसे वसूलते हैं। ट्रंप ने भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप- आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) के बारे में कहा कि यह अद्भुत देशों का समूह है जो व्यापार में हमें नुकसान पहुंचाने वाले दूसरे देशों का मुकाबला करने के लिए एक साथ आ रहे हैं.ट्रंप ने कहा, हमारे पास व्यापार में साझेदारों का एक शक्तिशाली समूह है। हालांकि, हम उन साझेदारों को बुरा व्यवहार करने की अनुमति नहीं दे सकते लेकिन हम अपने दुश्मनों के साथ कई मायनों में अपने दोस्तों की तुलना में कहीं बेहतर बर्ताव करते हैं।उन्होंने कहा,यह अद्भुत देशों का एक समूह है जो उन देशों का मुकाबला कर रहा है जो व्यापार में हमें नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते हैं।भारत का आईटी उद्योग और एक्सपोर्ट भारत की आईटी इंडस्ट्री हर साल 280 अरब डॉलर से अधिक काएक्सपोर्ट करती है. वहीं ये देश में करोड़ों लोगों के लिए रोजगार भी जेनरेट करती है। भारत के आईटी उद्योग के एक्सपोर्ट ऑर्डर का एक बड़ा हिस्सा अमेरिका से ही आता है। वहीं अमेरिकी कंपनियों के लिए आउटसोर्स करने में भी भारत के इंजीनियर्स आगे हैं। भारत के कुल आईटी एक्सपोर्ट रेवेन्यू का करीब 50 प्रतिशत अमेरिका से ही आता है।ऐसे में अगरअमेरिका में मंदी की आशंका गहराती है, तो इसका असर आईटी उद्योग की ग्रोथ पर पड़ेगा। वहीं अगर ट्रंप की टैरिफ नीति भारत पर भी लागू होती है, तो ये भारत की सॉफ्टवेयर कंपनियों की लागत को बढ़ाने का काम करेगा, इससे फिर से इस सेक्टर का एक्सपोर्ट प्रभावित होगा।भारत के आईटी उद्योग की ग्रोथ बहुत जरूरी है। वित्त वर्ष 2024-25 में इस सेक्टर की ओवरऑल ग्रोथ 6 पेर्सेंट तक रह सकती है, ये देश की जीडीपी ग्रोथ के अनुमान से थोड़ी ही कम है। वहीं ये दुनिया में आईटी सेक्टर के बदलाव का समय है, जहां मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डेटा एनालिसिस का काम बढ़ रहा है, यहां भारत की प्रतिस्पर्धा सबसे ज्यादा चीन से है,इसलिए अगर इस सेक्टर में भूचाल आता है तो ये देश के आईटी सेक्टर को लंबे समय के लिए प्रभावित करेगा।ईटी की खबर केमुताबिक आईटी आउटसोर्सिंग एक्सपर्ट का कहना है कि अमेरिका में मंदी की आशंका और ट्रंप की टैरिफ नीति को लेकर इस सेक्टर की कंपनियों में एक संशय बना हुआ है। ये उनके लॉन्ग टर्म और मीडियम टर्म प्लान्स को चुनौतीपूर्ण बना रहा है।वहीं एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेस के चीफ अमित चड्ढा कह कहना है कि बहुत सी आईटी कंपनियां अभी टैरिफ वॉर को लेकर वेट एंड वॉच की स्थिति में है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि ट्रंप के एक्शन से दुनियाँ में तहलका-भारत अमेरिकी वस्तुओं पर टैरिफ कटौती करें,वरना 2 अप्रैल से रेसिप्रोकल टैरिफ की धमकी!भारत अमेरिका के बहुत अच्छे संबंध है,परंतु टैरिफ़ एक बाधा-ट्रंप का भारत को टैरिफ कम करने का अल्टीमेटम,भारत को अमेरिका से राजनयिक संबंधों की मज़बूती करने,अच्छे व्यापारिक संबंध बनाए रखनें, विवादों से बचने,विज़न 2047 को रेखांकित कर सटीक निर्णय की आवश्यकता है।

(-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र)

संपादकीय

नकली पर नकेल

लंबे समय से हरियाणा के किसान घटिया बीज व कीटनाशक बाजार में बेचे जाने के आरोप लगाते रहे हैं। जिसके चलते उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा था। एक तो इस बाबत बने कानून सख्त नहीं थे। वहीं निगरानी करने वाले तंत्र की काहिली भी मिलावटी कृषि इनपुट बेचने वालों के हौसले बुलंद कर रही थी। इस दिशा में हरियाणा सरकार ने सार्थक पहल की है। हरियाणा सरकार ने बीज अधिनियम, 1966 और कीटनाशक अधिनियम, 1968 में संशोधन करके नकली उत्पाद बेचने वाले अपराधी तत्वों पर नकेल कसने की कोशिश की है। निश्चय ही घटिया कृषि उत्पादों को रोकने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। दरअसल, नकली बीजों और घटिया कीटनाशकों के कारण किसानों को भारी नुकसान होने की रिपोर्ट बार-बार आ रही थी। जिसके आलोक में यह कदम सरकार ने उठाया है। इस सार्थक पहल में कड़े प्रावधानों के जरिये ऐसे अपराध को संज्ञेय और गैर जमानती बनाया गया है। यदि कोई व्यक्ति बार-बार ऐसा अपराध करता पाया जाता है तो उसके लिये सजा को कड़ा किया गया है। उल्लेखनीय है कि कई बार ऐसी करतूत करने वालों के लिये तीन साल की कैद और पांच लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान रखा गया है। यह कदम महत्वपूर्ण है क्योंकि पुराने कानून में सिर्फ पांच सौ रुपये से कम का जुर्माना निर्धारित था। जिसके चलते अपराधियों में किसी तरह का कानून का डर नहीं रह गया था। जिसके चलते कानून ऐसी गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने में सक्षम नजर नहीं आ रहा था। उल्लेखनीय है कि सख्त कानून के अभाव और नियामक तंत्र की कोताही के चलते लंबे समय से किसान ठगी के बाजार का खामियाजा भुगत रहे थे। हाल का एक चौंकाने वाला मामला टोहाना में प्रकाश में आया, जिसमें नकली कीटनाशकों के छिड़काव के चलते 60 एकड़ के खेतों में खड़ी धान की फसल नष्ट हो गई थी। इस प्रकार के नुकसान के स्तर से पता चलता है कि धांधली किस स्तर पर की जा रही है। वहीं दूसरी ओर सिरसा में भी ऐसा ही मामला प्रकाश में आया था, जहां किसानों को बिना उचित लेबलिंग के नकली उत्पाद बेचकर धोखा दिया गया। ये घटनाएं इस बात की आवश्यकता बता रही थी कि सरकार इस दिशा में तत्काल हस्तक्षेप करे। निश्चित रूप से नकली उत्पादों की बिक्री से किसानों को होने वाला नुकसान चौंकाने वाला है। वहीं दूसरी ओर किसानों द्वारा लाखों रुपये नुकसान होने पर जब रिपोर्ट दर्ज करायी जाती थी तो अकसर अपराधी मामूली दंड के साथ बच निकलते थे। उनकी धांधली की गतिविधियां फिर दूसरी जगह शुरू हो जाती थी। यही वजह थी कि पीड़ित किसानों को पर्याप्त मुआवजा या कोई अन्य सहारा नहीं मिल पाता था। लेकिन इसके साथ यह भी स्पष्ट है कि सिर्फ सख्त कानूनी प्रावधान ही इस तरह की मिलावटी कीटनाशकों व बीजों की बिक्री पर रोक लगाने में सक्षम होंगे, इस बात में संदेह हैं। इसके लिए जरूरी है कि औचक निरीक्षण और बेहतर शिकायत निवारण तंत्र स्थापित किया जाए। साथ ही कृषि विभाग के अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए। न्यायपालिका को भी इन नकली कृषि इनपुट बेचने वाले अपराधियों के मामले में त्वरित सुनवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। तभी ऐसे अपराधियों को कानून की खामियों का फायदा उठाने से रोका जा सकता है।

सरकारी जवाबदेही व जनभागीदारी से संरक्षण

योगेश कुमार गोयल

पृथ्वी पर संतुलन बनाए रखने में मनुष्यों, जीव-जंतुओं और वनों का अहम योगदान है। वनों का कार्य न केवल जीव-जंतुओं का आवास और भोजन प्रदान करना है, बल्कि पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व के लिए भी वनों का होना अनिवार्य है। पृथ्वी पर जीवन के लिए आवश्यक ऑक्सीजन का मुख्य स्रोत वन हैं, जो वातावरण से कार्बन डाईऑक्साइड सोखकर उसे ऑक्सीजन में बदलते हैं। वन वर्षा, तापमान नियंत्रण, मृदा कटाव रोकने और जैव विविधता को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वनों की मजबूत जड़ें मिट्टी को बांधकर भारी बारिश में कटाव और बाढ़ का खतरा कम करती हैं। हालांकि, वनों की अंधाधुंध कटाई से जीव-जंतुओं के आवास स्थान घट गए हैं और जैव विविधता पर खतरा मंडरा रहा है।

हर साल दुनिया भर में जंगलों में लगने वाली आग के कारण लाखों हेक्टेयर जंगल और जीव-जंतुओं की कई प्रजातियां नष्ट हो जाती हैं। वर्ष 2020 में ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी भीषण आग ने न केवल जैव विविधता को नुकसान पहुंचाया, बल्कि बड़ी संख्या में जंगल भी जलकर खाक हो गए।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले तीन दशकों में विश्वभर में लगभग एक अरब एकड़ वन नष्ट हो चुके हैं। कुछ दशकों पहले तक पृथ्वी का लगभग 50 प्रतिशत भू-भाग वनों से आच्छादित था, लेकिन अब यह घटकर केवल 30 प्रतिशत रह गया है। पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार, वनों की घटती संख्या का सीधा प्रभाव पृथ्वी पर मौजूद जैव विविधता पर पड़ेगा। वृक्षों और वनों का क्षेत्रफल घटने से जीव-जंतुओं के आवास पर संकट आ जाएगा और अनियमित मौसम के रूप में मानव जाति पर भी इसके गंभीर दुष्प्रभाव सामने आएंगे।

वनों की अंधाधुंध कटाई के कारण ग्लोबल वार्मिंग और प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता बढ़ रही है। यदि भविष्य में वनों की संख्या नहीं बढ़ाई जाती, तो बढ़ती मानव आबादी के कारण पृथ्वी पर ऑक्सीजन, उपजाऊ मिट्टी और स्वच्छ जल की भारी कमी हो सकती है। वन पृथ्वी के फेफड़ों का कार्य करते हैं, जो वातावरण से सल्फर डाईऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, अमोनिया, ओजोन इत्यादि प्रदूषक गैसों को अपने अंदर समाहित कर वातावरण में प्राणवायु छोड़ते हैं। यही कारण है कि वैश्विक स्तर पर वनों के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाने, इनके संरक्षण में समाज का योगदान प्राप्त करने और पौधारोपण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 21 मार्च को 'अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस' मनाया जाता है।

वर्ष 2025 का विषय 'वन और खाद्य पदार्थ' है, जिसमें वनों की खाद्य सुरक्षा, पोषण और आजीविका में महत्वपूर्ण भूमिका को बढ़ाया जाएगा। वन केवल भोजन, ईंधन, आय और रोजगार प्रदान नहीं करते, वे मिट्टी की उर्वरता को भी बनाए रखते हैं, जल संसाधनों की रक्षा करते हैं, और जैव विविधता के लिए महत्वपूर्ण आवास भी प्रदान करते हैं, जिसमें परागणकों का भी योगदान है। इसके अलावा, वन वन-निर्भर समुदायों, विशेष रूप से स्वदेशी लोगों के जीवन के लिए आवश्यक हैं और वे जलवायु परिवर्तन के शमन में भी मदद करते हैं, क्योंकि वे कार्बन को संगृहीत करते हैं।

पृथ्वी का वह क्षेत्र, जहां वृक्षों का घनत्व अधिक होता है, वन कहलाता है। वनों के विभिन्न प्रकार होते हैं, जैसे सदाबहार वन, मैंग्रोव वन, शंकुधारी वन, उष्णकटिबंधीय वन, शीतोष्ण वन, पर्णपाती वन, बोरील वन और कांटेदार वन, जो विभिन्न जलवायु और पर्यावरणीय परिस्थितियों के अनुसार विभाजित होते हैं। भारत में प्रमुख वन प्रकारों में सदाबहार वन, मैंग्रोव वन, शंकुधारी वन, पर्णपाती वन और शीतोष्ण कटिबंधीय वन शामिल हैं। सदाबहार वनों को वर्षा वन भी कहा जाता है, जो उच्च वर्षा क्षेत्रों जैसे पश्चिमी घाट, अंडमान-निकोबार और पूर्वोत्तर भारत में पाए जाते हैं। इन वनों में वृक्ष एक-दूसरे से मिलकर सूर्य के प्रकाश को जमीन तक नहीं पहुंचने देते। मैंग्रोव वनों का विकास डेल्टा क्षेत्रों और नदियों के किनारे लवणयुक्त जल में होता है।

पर्णपाती वन मध्यम वर्षा वाले क्षेत्रों में होते हैं, जहां वर्षा केवल कुछ महीनों के लिए होती है। मानसून के दौरान तेज बारिश और सूर्य के प्रकाश के कारण इन वनों में तेजी से वृद्धि होती है, और गर्मी व सर्दी के मौसम में वृक्षों की पत्तियां झड़ जाती हैं। नए पत्ते चैत्र माह में उगते हैं। कांटेदार वन जैसे खजूर, कैक्टस और नागफनी कम नमी वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं, जहां इनकी जड़ें गहरे तक समाई होती हैं और ये जल संरक्षण में मदद करते हैं। उष्णकटिबंधीय वन भूमध्य रेखा के पास होते हैं, जबकि शीतोष्ण वन मध्यम ऊंचाई वाले स्थानों पर और बोरील वन ध्रुवीय क्षेत्रों के निकट पाए जाते हैं।

इस संकट को देखते हुए, वर्ष 2021 के ग्लासगो जलवायु सम्मेलन में 100 से अधिक देशों ने वर्ष 2030 तक वनों की अंधाधुंध कटाई पर पूरी तरह पाबंदी लगाने का संकल्प लिया था। वनों की कटाई और प्रदूषण के बढ़ते स्तर के कारण कई ग्लेशियर लुप्त होने के कगार पर हैं और ग्लोबल वार्मिंग का खतरा लगातार बढ़ रहा है, जिससे मौसम में बड़े बदलाव हो रहे हैं। इस स्थिति को देखते हुए, पूरी दुनिया को एकजुट होकर वनों के संरक्षण और उनके विनाश को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है।

(चिंतन-मनन)

प्रार्थना की पुकार

यदि प्रार्थना सच्ची हो तो परमपिता परमेश्वर उस प्रार्थना को जरूर ही सुनते हैं। परमपिता परमेश्वर अत्यंत कृपालु और दयालु हैं, परंतु प्रार्थना के लिए भी हृदय का पवित्र और निर्मल होना अत्यंत आवश्यक है। मन का पवित्र होना, अहंकार और अभिमान से रहित होना नितांत आवश्यक है। ऐसे पवित्र-हृदय-अंत- करण से उत्पन्न हुए भाव ही प्रार्थना हैं। हृदय की पवित्रता का अर्थ है अपने आपको सांसारिक तुच्छ विषय-वासनाओं की आसक्तियों से मुक्त कर लेना। सब तरह की आसक्ति से रहित होना ही हृदय की पवित्रता है। किसी तपस्वी ने ठीक ही कहा है- सच्चे-वास्तविक जीवन को पाने की आकांक्षा उत्पन्न होना ही प्रार्थना है। हमारे भीतर हृदय में जिसकी खोज होगी, भीतर जिस चीज को पाने की प्यास होगी- तो, ही हम उस दिशा में जा सकेंगे। प्रार्थना होती है आत्म बोध से। आत्मबोध में ही परमार्थ की प्यास जगती है और तुच्छ स्वार्थी का परित्याग होता है।

प्रार्थना है- परिपूर्ण समर्पण, अपने अहंकार के बोझ को अपने सिर से उतार फेंकना और उसके पावन चरणों में अपना सिर झुका देना। जो प्रभु की कृपाएं और उनका अनुग्रह चाहता है उसे चाहिए कि वह किसी से भी किसी तरह का वैर-विरोध न करे। वह सत्य बोले, वह असत्य, छल-कपट, निंदा-चोरी आदि से हमेशा दूर रहे। अपनी इंद्रियों पर हमेशा संयम रखे, किसी भी प्रकार का लोलुप-लालची न हो। वह कभी अहंकार अभिमान न करे, शत्रु-द्वेष को छोडकर मन को शुद्ध पवित्र रखें। प्रार्थना की शक्ति बहुत ही अद्भूत है। वह भगवान को भक्त का उद्धार करने के लिए अवश्य ही बाध्य कर देती है, परंतु प्रार्थना सच्ची हो, हृदय से हो। भगवान ने प्रार्थना मीरा की सुनी, बुद्ध की सुनी, उन सबकी सुनी जिन्होंने परहित के लिए उन्हें याद किया। वह हर मानव मन में चल रहे भाव-कुभाव को अच्छी तरह से जानते हैं। अतः उसके समक्ष जब भी जाएं, शुद्ध भाव रखें।

विचार मंथन

वर्मा मामले को लीप-पोतकर छिपाने की तैयारी

(लेखक - सनत जैन)

दिल्ली हाईकोर्ट के एक जज के घर में करोड़ों रुपए की नगदी एक कमरे में रखी हुई मिली है। जिसके कारण दिल्ली हाईकोर्ट और न्यायपालिका में हडकम्प की स्थिति बनी हुई है। किसी भी जज के घर से इतनी बड़ी मात्रा में पहली बार करोड़ों रूपयों की नगदी प्राप्त हुई है। होली के दिन जब जज साहब घर से बाहर गए हुए थे। उस समय उनके घर पर आग लगी। फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची, उसने आग बुझाने का काम किया। फायर ब्रिगेड की टीम ने एक कमरे में नगदी रखी देखी। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में इसका उल्लेख किया था, जिससे बाद में मुकर जाने की बात सामने आई है। पिछले कई दिनों से सुप्रीम कोर्ट को इसकी जानकारी होने के बाद भी, इस मामले को दबाकर रखा गया था। सुप्रीमकोर्ट की कॉलेजियम द्वारा दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा का इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर करने की अनुशंसा की गई है। उसके बाद जज के घर से करोड़ों रुपए मिलने का समाचार सार्वजनिक हुआ। केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह से इस मामले को लगभग 5 दिनों तक छिपाए रखा, उस पर भी सवाल उठे हैं। पिछले कुछ वर्षों से न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी को लेकर कई बार आरोप-प्रत्यारोप लगते रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने भी समय-समय पर न्यायपालिका के भ्रष्टाचार तथा केंद्र सरकार द्वारा हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों के डोजियर बनाने की बात सार्वजनिक तौर पर कही जाती रही है। कॉलेजियम द्वारा जजों के नाम की अनुशंसा, नियुक्ति और ट्रांसफर पोस्टिंग को लेकर पिछले दो-तीन वर्षों से सरकार और न्यायपालिका के बीच विवाद की स्थिति समय-समय पर देखने को मिल रही थी। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों द्वारा सरकार के खिलाफ याचिकाओं की सुनवाई करने में आनाकानी करने, सरकार के दबाव में निर्णय करने जैसे आरोप वरिष्ठ अधिवक्ताओं द्वारा समय-समय पर लगाए गए हैं। दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर पर करोड़ों रुपए जप्त होने की बात कही जा रही है। इसकी अधिकृत सूचना ना तो सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम द्वारा दी गई है। नाहि सरकार ने अभी तक इसकी पुष्टि की है। यशवंत वर्मा अपने कई फैसलों को लेकर विवादों में रहे है। लोकसभा चुनाव के पहले आयकर विभाग द्वारा कांग्रेस के बैंक खातों को सीज कर दिया गया था। वर्मा ने कांग्रेस की याचिका बिना सुनवाई तुरंत खारिज कर दी थी। उनके यहां से जो भी फैसले हुए हैं। वह सरकार की इच्छा के अनुरूप हुए हैं। वर्मा की अदालत से आयकर संबंधी मामलों का निराकरण हुआ है। जिसमें करोड़ों रूपयों का विवाद था। इस तरह की बातें न्याय जगत में चर्चाओं में हैं। सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम ने यशवंत वर्मा का ट्रांसफर करने की अनुशंसा इस मामले को रफा-दफा करने का प्रयास माना जा रहा है। उसकी तीव्र प्रतिक्रिया न्याय जगत में देखने को मिल रही है। इलाहाबाद हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट बार में भी कॉलेजियम द्वारा की गई अनुशंसा को अपर्याप्त माना जा रहा है। न्यायपालिका मे व्याप्त भ्रष्टाचार की चर्चा सारे देश में हो रही है। न्यायमूर्ति वर्मा के घर से करोड़ों रुपए की जो राशि बरामद हुई है। उसके बाद उनके द्वारा पारित आदेशों की न्यायिक समीक्षा की बात भी देशभर में जोर-जोर से हो रही है। जजों द्वारा जो फैसले दिए जाते हैं। उनकी स्वतंत्र एजेंसी से न्यायिक समीक्षा कराने की मांग जोर पकड़ने लगी है। पिछले कुछ वर्षों में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों द्वारा सिलेक्टेड मामलों की सुनवाई की जाती है। कई वर्षों से याचिकाएं लंबित पड़ी हुई हैं, उनकी सुनवाई लंबित रखी गई हैं। लंबित याचिकाओं में एक बहुत बड़े समूह या करोड़ों लोगों के हित जुड़े होते हैं। अदालतों से आधे-अधूरे फैसले दिये जा रहे है। पहली बार न्यायपालिका एक ऐसे मोड़ पर आकर खड़ी हो गई है, जहां उसकी विश्वसनीयता पर संकट खड़ा हो गया है। भारतीय लोकतंत्र में न्यायपालिका का हमेशा से विशिष्ट स्थान रहा है। न्यायपालिका की साख जिस तरह से गिर रही है। वह भारतीय संविधान और लोकतंत्र के लिए एक खतरनाक संकेत है।

न्यायपालिका पर विश्वास खत्म होगा तो देश में अराजक्ता फैल सकती है। समय रहते ठोस कार्यवाही समय की मांग है। यहां जस्टिस वर्मा मामले को लीप-पोतकर छिपाने जैसी बातों को लेकर लोगों में आक्रोश पनप रहा है, जिस पर विशेषतौर पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

सेबी ने 10 संस्थाओं पर लगाया 50 लाख का जुर्माना

मुंबई । भारतीय पूंजी बाजार नियामक सेबी ने बीएसई के इलिक्विड स्टॉक ऑप्शंस सेगमेंट में गैर-प्रामाणिक ट्रेडिंग में शामिल 10 संस्थाओं पर 50 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। प्रत्येक इकाई पर 5-5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया, जिनमें सचिन जैन एचयूएफ, मोतीलाल बैद, अजय नोपानी, दिवाकर झा, बागदेवी सप्लायर्स प्राइवेट लिमिटेड, रीता आर ठक्कर, काला सप्लायर्स प्राइवेट लिमिटेड, मेघा निभवानी, सीताराम जयंती और अमित शॉ शामिल हैं। सेबी ने पाया कि इन संस्थाओं ने अप्रैल 2014 से सितंबर 2015 के बीच बीएसई के इलिक्विड स्टॉक ऑप्शंस सेगमेंट में रिवर्सल ट्रेड्स किए, जिससे कृत्रिम वॉल्यूम बना। सेबी ने कहा कि रिवर्सल ट्रेड्स का कोई वित्तीय तर्क नहीं होता और यह बाजार में नकली वॉल्यूम बढ़ाकर निवेशकों को गुमराह करने का काम करता है। इसके अलावा सेबी ने कॉरपोरेट स्ट्रैटेजिक एलायंज प्राइवेट लिमिटेड का मर्चेंट बैंकर लाइसेंस रद्द कर दिया। सेबी की अप्रैल 2022 से सितंबर 2023 तक चली जांच में नियमों के उल्लंघन की पुष्टि हुई। नियामक के अनुसार कंपनी ने नियामकीय दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया, जिसके चलते उसका पंजीकरण रद्द करने का निर्णय लिया गया।

भारत में खपत 2034 तक बढ़कर दोगुनी हो जाएगी: रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत में खपत में लगातार बढ़ोतरी होती जा रही है। देश की कुल जीडीपी में 56 फीसदी का योगदान देने वाला यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसकी विकास की रफ्तार सबसे तेज है। जिससे भारत जल्द ही प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को पछाड़कर दुनिया की खपत राजधानी बन जाएगा। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते उपभोक्ता आधार की वजह से भारत में खपत 2034 तक बढ़कर दोगुनी हो जाएगी। इसमें एकल परिवार के चलन की महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसकी वजह से भारत में घरेलू विकास जनसंख्या वृद्धि से आगे निकल रहा है और यह बढ़ती खपत का प्रमुख चालक बनकर उभर रहा है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में टैक्स के मोर्चे पर करदाताओं को दी राहत से एक लाख करोड़ रुपये प्राप्त होंगे, जिससे 3.3 लाख करोड़ रुपये की वृद्धिशील खपत को बढ़ावा मिलेगा। इसमें भारतीय जीडीपी को एक फीसदी तक बढ़ाने की क्षमता है।

एलआईसी ने की हेल्थ इंश्योरेंस में प्रवेश की घोषणा

मुंबई । लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) ने अपने ग्राहकों के लिए बड़ी घोषणा की है, और इस बार यह केवल जीवन बीमा सेवाओं के लिए नहीं है। एलआईसी अब हेल्थ इंश्योरेंस क्षेत्र में भी पहुंचने को तैयार है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी सिद्धार्थ मोहंती ने बताया कि एलआईसी एक और कंपनी के साथ साझेदारी करने जो` कि प्रक्रिया में है, और 31 मार्च से पहले इस डील की घोषणा हो सकती है। साझेदारी के लिए चयन किया जा रहा है, लेकिन कंपनी का नाम अभी तक रहस्यमय है। मीडिया से बातचीत के दौरान कंपनी के एक अे धिकारी ने बताया कि यह संभावित है कि एलआईसी की नई साझाकर्ता मणिपाल सिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस हो सकती है। एलआईसी के लिए स्वास्थ्य इंश्योरेंस में एंट्री का फैसला विश्वासी और स्वाभाविक है। एलआईसी इस साझेदारी के जरिये केवल 51 प्रतिशत या उससे कम हिस्सेदारी खरीदेगी, जिसका निर्धारण कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा किए गए मूल्यांकन और अन्य कारकों पर आधारित होगा। एलआईसी के हेल्थ इंश्योरेंस में प्रवेश से आम लोगों के लिए एक नई सुविधा का उम्मीदवादी मार्ग खुलने वाला है।

मारुति, टाटा और किआ अपने वाहनों की बढाएंगी कीमतें

नई दिल्ली ।

अप्रैल 2025 से देश की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनियों ने अपने वाहनों की कीमतें बढ़ाने का ऐलान किया है। नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ ही कारों की कीमतों में बढ़ोतरी होने जा रही है। इन प्रमुख कंपनियों में मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स और किआ इंडिया शामिल है। सप्लाई चेन की चुनौतियों और बढ़ते उत्पादन खर्च को इसका कारण बताया गया है। ऐसे में कार खरीदने की सोच रहे ग्राहकों के लिए मार्च सबसे उपयुक्त समय साबित हो सकता है। ऐसे में अगर कोई ग्राहक नई कार खरीदने की योजना बना रहा है, तो उसके लिए मार्च 2025 सबसे सही समय हो सकता है। टाटा मोटर्स ने पुष्टि की है कि वह अपनी पूरी रेंज के वाहनों की कीमतें बढ़ाने जा रही है। हालांकि, यह वृद्धि मॉडल और वेरिएंट के अनुसार अलग-अलग होगी। टाटा ने फिलहाल अधिकतम बढ़ोतरी की जानकारी नहीं दी है, लेकिन इसका कारण उत्पादन लागत और कच्चे माल की बढ़ती कीमतों को बताया गया है। किआ इंडिया ने भी अपने पूरे मॉडल लाइन-अप की कीमतों में 3 प्रतिशत तक की वृद्धि करने की घोषणा की है।

इसमें सेल्टोस, सोनेट, कैरेंस, ईवी6, ईवी9 और कार्निवल जैसे मॉडल शामिल हैं। कंपनी ने लागत में बढ़ोतरी को इसकी वजह बताया है। मारुति सुजुकी भी अप्रैल से अपने विभिन्न मॉडलों की कीमतें बढ़ाएगी। कुछ गाड़ियों पर 4 प्रतिशत तक का इजाफा हो सकता है। यह इस साल कंपनी की तीसरी कीमत वृद्धि होगी। जनवरी और फरवरी में भी मारुति ने ब्रेजा, सेलेरियो और ऑल्टो के 10 जैसे मॉडलों की कीमतें बढ़ाई थीं।

गोदरेज कंज्युमर की तीसरी तिमाही कमजोर रही

मुंबई ।

गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स (जीसीपीएल) के लिए वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही कमजोर रही। लेकिन कुछ विश्लेषक तीसरी तिमाही को मजबूत बिक्री सुधार की उम्मीद के साथ अपवाद मान रहे हैं और उनकी राय में वित्त वर्ष 2026 में यह सबसे तेजी से बढ़ने वाली एफएमसीजी कंपनी साबित हो सकती है। तीसरी तिमाही में लॉन्ड्री, एयर-फ्रेशनर और सेक्सुअल वेलनेस में दो अंकों की वृद्धि साबुन और घरेलू कीटनाशकों में आई गिरावट के आगे फीकी पड़ गई। चौथी तिमाही के बाद साबुन की कीमतों में और बढ़ोतरी की उम्मीद है। अगरबत्ती की बाजार भागीदारी बढ़ी जबकि लिक्विड वैपोराइजर और लॉन्ड्री लिक्विड पदार्थों का बाजार में दबदबा रहा। साबुन व्यवसाय ने भी बाजार भागीदारी में इजाफा दर्ज किया। लेकिन डिओड्रेंट की बाजार भागीदारी गंवाई। कंपनी का भारतीय परिचालन मुनाफा मार्जिन तीसरी तिमाही में 22.5 फीसदी रहा जो ऐतिहासिक 24-26 फीसदी के दायरे की तुलना में कम है। भारत में अन्य खर्च में सालाना आधार पर 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई क्योंकि जीसीपीएल ने ग्रामीण क्षेत्र में निवेश जारी रखा।

10 साल में सोने की कीमत 3 गुना बढ़ी

सरकार के खजाने को लगा 1.2 लाख करोड़ का फटका

मुंबई । भारत सरकार ने 10 साल पहले सावरेन गोल्ड बॉन्ड योजना शुरू की थी।जब यह योजना शुरू हुई थी। उस समय सोने के दाम ₹2943 प्रति ग्राम थे। अब सरकार को जब सावरेन गोल्ड बांड का भुगतान करना पड़ रहा है। इस समय प्रति ग्राम सोने का भाव ₹ 8624 प्रति ग्राम है। सरकार को इस मूल्य पर ढाई फ़ीसदी ब्याज भी बांड धारकों को चुकाना है। सरकार के खजाने पर लगभग 1.2 लाख करोड रुपए का अतिरिक्त बोझ आ गया है।सरकार ने इसके बारे में सोचा ही नहीं था। केंद्र सरकार ने 2015 में सावरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम चालू की थी। पिछले 10 साल में सोने की कीमतें लगभग 250 फ़ीसदी बढ़ चुकी हैं। सरकार ने 67 किस्तों में 145 टन सोना गोल्ड बॉन्ड के रूप में बेचकर 72274 करोड रुपए जुटाये थे। केंद्र सरकार ने अभी तक 6 किस्तों का ही भुगतान किया है। जो 15 टन सोने के बराबर है। सरकार को अभी 132 टन सोने के बांड का भुगतान करना है। वर्तमान में सोने की जो कीमत है।उसके अनुसार सरकार को 1.2 लाख करोड रुपए मूल्य के सोने का भुगतान करना होगा। जुलाई 2024 के बजट में सरकार ने जो अनुमान लगाया था। उसके अनुसार गोल्ड बांड के रूप में सरकार का अनुमान था। उसकी देनदारी 85000 करोड रुपए की होगी। सरकार का यह दांव भी उल्टा पड़ता हुआ दिख रहा है। 2015 में सरकार ने बाजार से 8 फीसदी ब्याज दर से कर्ज उठाने के स्थान पर ढाई फ़ीसदी ब्याज दर पर गोल्ड बांड के माध्यम से कर्ज उठाया था। सोना इतना महंगा हो जाएगा। सरकार ने सोचा भी नहीं था। डॉलर बचाने के चक्कर में सरकार सोने के चक्कर में पड़ गई।

सेंसेक्स और निफ्टी में चार फीसदी से अधिक तेजी रही

- सेंसेक्स 557.45 अंक उछलकर 76,905.51 पर बंद
- निफ्टी 159.75 अंक बढ़कर 23,350.40 पर बंद

मुंबई ।

इस सप्ताह निचले स्तर पर खरीदारी और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के बाजार में लौटने की आस में बेंचमार्क सूचकांकों ने चार साल की सबसे लंबी साप्ताहिक छलांग लगाई है। इस हफ्ते दोनों सूचकांकों में 4.3 फीसदी की तेजी आई। 22 जुलाई 2022 के बाद सेंसेक्स का यह सबसे अच्छा साप्ताहिक प्रदर्शन रहा। विश्लेषकों के अनुसार निचले स्तर पर लिवाली से बाजार में तेजी आई है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने इस साल ब्याज दर में दो बार कटौती का अनुमान लगाया है जिससे भी निवेशकों का हौसला बढ़ा है। इस सप्ताह सेंसेक्स के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के चलते बैंकिंग, वित्तीय और ऑटो शेयरों में बढ़त के साथ कारोबार शुरू हुआ। प्रमुख भारतीय बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी सोमवार को बढ़त के साथ खुले। बीएसई का सेंसेक्स 374 अंक बढ़कर 74,203 पर खुला और 341.04 अंकों की बढ़त के साथ 74,169.95 अंकों पर बंद हुआ। निफ्टी 50 119 अंक बढ़कर 22,517 पर खुला और 111.55 अंकों की बढ़त लेकर 22,508.75 अंकों पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख और बैंकिंग शेयरों में खरीदारी के कारण मंगलवार को बीएसई का सेंसेक्स सूचकांक 900 अंक से अधिक उछलकर 75,000 अंक पर खुला और 1,131.31 अंक

प्रतिशत बढ़कर 75,301.26 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 265.9 अंक बढ़कर 22,774.65 अंक पर खुला और निफ्टी 325 अंक चढ़कर 22,834 पर बंद हुआ है। बुधवार को सेंसेक्स 132.97 अंकों की तेजी के साथ 75,434.23 के लेवल पर खुला और 147.79 अंक बढ़कर 75,449.05 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 49.4 अंक की उछाल के साथ 22,883.70 के लेवल पर खुला और 73.30 अंक बढ़कर 22,907.60 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 468 अंकों की शानदार बढ़त के साथ 75917 पर खुला और 899 अंक की तेजी रही, ये 76,348 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 129 अंकों की उछाल के साथ 23036 पर खुला और 283 अंक चढ़कर 23,190 के स्तर पर बंद हुआ। शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 252.8 अंक गिरकर 76,095.26 अंक पर खुला और 557.45 अंक उछलकर 76,905.51 पर बंद हुआ। निफ्टी 57.85 अंक गिरकर 23,132.80 अंक पर खुला और 159.75 अंक बढ़कर 23,350.40 अंक पर बंद हुआ।

टेलीकॉम फ्रॉड: 3.4 करोड़ से ज्यादा मोबाइल फोन बंद, 3.19 लाख आईएमईआई नंबर ब्लॉक

16.97 लाख वॉट्सएप अकाउंट भी ब्लॉक किए गए

नई दिल्ली । केंद्र की मोदी सरकार ने बताया कि टेलीकॉम फ्रॉड से निपटने के लिए संचार साथ पोर्टल के द्वारा अब तक 3.4 करोड़ से ज्यादा मोबाइल फोन को बंद किया गया है और 3.19 लाख आईएमईआई नंबर को ब्लॉक कर दिया गया है। दूरसंचार विभाग ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बिग डेटा की मदद से 16.97 लाख वॉट्सएप अकाउंट भी ब्लॉक किए गए हैं। राज्यसभा में संचार और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने कहा कि दूरसंचार विभाग की संचार साथी पहल के तहत 20,000 से ज्यादा बल्क एसएमएस भेजने वालों को भी ब्लैकलिस्ट किया है। मोदी सरकार के संचार साथी पोर्टल पर नागरिकों को चक्षु की मदद से संदिग्ध धोखाधड़ी से जुड़े कम्युनिकेशन को रिपोर्ट करने की सुविधा मिलती है। मंत्री डॉ. पेम्मासानी ने कहा कि संदिग्ध धोखाधड़ी से जुड़ी शिकायतें मिलने के बाद दूरसंचार विभाग इनकी जांच करता है। इसके बाद जांच में गलत मिले नंबर को ब्लॉक कर दिया जाता है। व्यक्तिगत रूप से रिपोर्ट किए गए संदिग्ध धोखाधड़ी कम्युनिकेशन पर कार्रवाई करने के बजाय दूरसंचार विभाग अपनी जांच के लिए क्राउड-सोर्स डेटा का इस्तेमाल करता है, ताकि टेलीकॉम रिसोर्सेस का गलत इस्तेमाल होने से रोका जा सके। दूरसंचार विभाग एआई बेस्ड टूल्स और बिग डेटा एनालिसिस के साथ नकली दस्तावेजों पर लिए गए संदिग्ध मोबाइल कनेक्शनों की पहचान करता है। इसके अलावा, दूरसंचार विभाग और दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) ने ऐसी अंतरराष्ट्रीय स्पूफ कॉलों की पहचान करने के लिए एक नया सिस्टम तैयार किया है, जो असल में विदेशों से होती हैं और भारत से आने वाली कॉल दिखाती हैं। इस सिस्टम के साथ इस तरह की कॉल की पहचान रियल टाइम में की जा सकती है और नंबर को ब्लॉक कर सकते है। इस बीच, दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने 1,150 संस्थाओं/ व्यक्तियों को ब्लैकलिस्ट किया है और 18.8 लाख से ज्यादा रिसोर्सेस को डिस्कनेक्ट कर दिया है। इन कार्रवाइयों के साथ अनरजिस्टर्ड टेलीमार्केटर्स (यूटीएम) के खिलाफ शिकायतों में कमी आई है, जो कि अगस्त 2024 में 1,89,419 थीं और जनवरी 2025 में घटकर 1,34,821

भारत ने कोयला उत्पादन में रचा इतिहास, 1 अरब टन के पार

- देश की ऊर्जा मांग पूरी करने में मदद मिलेगी

मुंबई । भारत ने कोयला उत्पादन में एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया है, जिसके माध्यम से देश ने 1 अरब टन को पार कर लिया है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि दिखाती है कि कोयला उत्पादन क्षेत्र में भारत की प्रगति निरंतर जारी है। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने इस सफलता को साझा करते हुए बताया कि उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ सुरक्षित और जिम्मेदार खनन की व्यवस्था को भी मजबूती से संभाला गया है। इस उपलब्धि से देश की ऊर्जा मांग पूरी करने में मदद मिलेगी और आर्थिक विकास को गति देने में सहायक साबित होगी। कोविड काल के दौरान कोयले की मांग में तेजी से वृद्धि के साथ, देश ने अपने उत्पादन में उछाल देखा है। निजी स्वामित्व वाली खदानों और कोल इंडिया के सहयोग से इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को हासिल किया गया है। कोल इंडिया ने बताया कि देश में स्वदेशी उत्पादन के मामले में यह उपलब्धि एक महत्वपूर्ण कदम है और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण क्रांति उल्लेखनीय ढंग से साकार हो रही है। इस सफलता के माध्यम से भारत के कोयला उत्पादन क्षेत्र में नया एक चांद निकला है, जो देश के ऊर्जा मांग को पूरी करते हुए विकास की राह में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

फर्जी निवेश सलाहकारों और शोध विश्लेषकों पर सेबी का एक्शन, 70,000 से अधिक पोस्ट और अकाउंट हटा दिए

मुंबई।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बताया कि सोशल मीडिया पर मिसलीडिंग कंटेंट (भ्रामक सामग्री) के खिलाफ सख्त कार्रवाई हुई है, सेबी की ओर से अक्टूबर 2024 से 70,000 से अधिक पोस्ट और अकाउंट को हटा दिया गया है। सेबी द्वारा यह कदम गलत सूचनाओं से निपटने और ऑनलाइन वित्तीय इंफ्लूएंसर को रेगुलेट करने की कड़ी में उठाया गया है। बाजार नियामक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ मिलकर काम कर रहा है ताकि वे यह सुनिश्चित कर सके कि इस तरह का कोई भी कंटेंट किसी भी निवेशक को भ्रमित न करे। सेबी के पूर्णकालिक सदस्य अनंत नारायण ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा, हम सभी के लिए एक आम चिंता अनरजिस्टर्ड निवेश सलाहकारों/ शोध विश्लेषकों से जुड़ी है, जो निवेश में बढ़ती रुचि का गलत फायदा उठा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सेबी के प्रपोजल के तहत यूपीआई 'पेराइट' हैंडल का इस्तेमाल निवेशकों को रजिस्टर्ड संस्थाओं की आसानी से पहचान करने में मदद करेगा, ताकि वे खुद को धोखेबाजों से बचा सकें।

नारायण ने कहा, निवेश में बढ़ती रुचि के साथ ही अनरजिस्टर्ड निवेश सलाहकारों और शोध विश्लेषकों की संख्या में भी तेजी से वृद्धि हुई है। ये निवेश सलाहकार और शोध विश्लेषक निवेशकों को गुमराह करते हैं। नारायण ने बताया कि सेबी निवेशकों के व्यवहार को बेहतर ढंग से समझने और अपनी आउटरीच रणनीतियों में सुधार करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी सर्वे की योजना बना रहा है। विदेशी निवेश पर नारायण ने कहा, ग्लोबल डेट इंडाइसेस में भारत के शामिल होने से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) ऋण प्रवाह में वृद्धि दर्ज की गई है और इसने इंवेस्टमेंट मिक्स में सुधार किया है। इस बीच, सेबी बोर्ड 24 मार्च को नए प्रमुख तुहिन कांता पांडे के नेतृत्व में अपनी पहली बैठक आयोजित करने वाला है। बाजार नियामक एल्गोरिथम ब्रोकरों के लिए एक सेटलमेंट स्कीम पेश कर सकता है और शोध विश्लेषकों के लिए फी कलेक्शन पीरियड को बढ़ाने पर विचार किया जा सकता है।

भारतीय बैंकिंग प्रणाली में अप्रैल 2025 से नए नियम लागू

मुंबई ।

भारतीय बैंकिंग प्रणाली में 1 अप्रैल 2025 से कई नए नियम लागू होने जा रहे हैं, जो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए हैं। उन्होंने अधिक ग्राहक हित के लिए ये नए नियम घोषित किए हैं। इन नियमों के तहत एसबीआई, पीएनबी, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे बड़े बैंकों में मिनिमम बैलेंस रखने के नियम बदल गए हैं।

एसबीआई के नए नियम- सरकारी बैंकों में सबसे बड़ा बैंक एसबीआई ने अपने ग्राहकों के लिए मिनिमम बैलेंस रखने की नई नीति लागू की है। बड़े शहरों में एसबीआई खाता खुलवाने वाले ग्राहकों के लिए मिनिमम बैलेंस की लिमिट 3000 रुपए है, छोटे शहरों में 2000 और गांव के बैंकों में 1000 रुपए।

पीएनबी के नए नियम- पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने भी नए बैलेंस रखने के नियम लागू किए हैं। बड़े शहरों में पीएनबी के ग्राहकों के लिए मिनिमम बैलेंस की लिमिट 2000 रुपए है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में 1000 रुपए रखने की अनिवार्यता है।

एचडीएफसी बैंक के नए नियम- एचडीएफसी बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए बड़े शहरों में मिनिमम बैलेंस 10,000 रुपए रखने की नई नीति लागू की है। छोटे या ग्रामीण क्षेत्रों के ग्राहकों के लिए भी बैलेंस की लिमिट 2500 से 5000 रुपए तक है।

आईसीआईसीआई बैंक के नए नियम- आईसीआईसीआई बैंक भी अपने ग्राहकों के लिए बड़े शहरों में मिनिमम बैलेंस की लिमिट निर्धारित की है। इसके अनुसार बड़े शहरों में 10,000 रुपए जरूरी है, जबकि छोटे और ग्रामीण इलाकों के ग्राहकों के लिए 2500 से 5000 रुपए की लिमिट और गांवों के लिए 1000 रुपए की जरूरत है।

डिक्सन टेक्नोलजीज की बाजार हिस्सेदारी 11 फीसदी पर पहुंची

कंपनी की बाजार हिस्सेदारी वर्ष 2023 में 8 फीसदी थी

मुंबई ।

इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण बनाने वाली कंपनी डिक्सन टेक्नोलजीज तेजी से अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर काम कर रही है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के आंकड़ों के अनुसार 2024 में स्मार्टफोन उत्पादन में डिक्सन टेक्नोलजीज की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 11 फीसदी पहुंच गई जो 2023 में 8 फीसदी थी। इसकी तुलना में ऐपल इंक के लिए भारत और वैश्विक बाजार के लिए ठेके पर आईफोन बनाने वाली कंपनी फॉक्सकॉन होन हई की बाजार हिस्सेदारी पिछले साल 12 फीसदी रही, जो 2023 में 11 फीसदी थी। इसी तरह चीन के डीबीजी समूह की 2023 में बाजार हिस्सेदारी 9 फीसदी थी जो 2024 में बढ़कर 12 फीसदी पहुंच गई। डीबीजी श्याओमी तथा अन्य कंपनियों के लिए स्मार्टफोन बनाती है। ऐपल के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स भी आईफोन बनाती है जिसका उत्पादन में हिस्सा 2024 में दोगुना बढ़कर 4 फीसदी हो गया। वर्ष 2023 में कुल स्मार्टफोन उत्पादन में उसकी हिस्सेदारी 2 फीसदी थी। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने विसट्रोन का अधिग्रहण किया था और हाल ही में पेगाट्रॉन में बहुलांश हिस्सेदारी खरीदी है। ये दोनों कंपनियां ऐपल के लिए आईफोन बनाती थीं। काउंटरपॉइंट के अनुसार टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स का स्मार्टफोन उत्पादन 2023 की तुलना में 107 फीसदी बढ़ा है। आईफोन 15 और आईफोन 16 के उत्पादन में उसका अहम योगदान है। दूसरी ओर फॉक्सकॉन का उत्पादन 2023 के मुकाबले 2024 में 19 फीसदी और डीबीजी का उत्पादन इस दौरान 35 फीसदी बढ़ा है। मोबाइल उपकरणों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाते हुए डिक्सन ने कई वैश्विक ब्रांडों को अपने साथ जोड़ा है, जिनके लिए वह स्मार्टफोन बनाती है। इन कंपनियों में श्याओमी, नोकिया एचएमडी, मोटोरोला आदि शामिल हैं।

सेल दमदार है लेकिन रजिस्ट्रेशन में देरी हो रही है: ओला इलेक्ट्रिक

पिछले महीने कंपनी ने 25,000 इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे थे

मुंबई ।

ओला इलेक्ट्रिक ने कहा कि उसकी बिक्री दमदार है। कंपनी आंकड़ों की कवायद मार्च के ओ खिर तक पूरा करने पर फोकस बनाए हुए है। सरकार के वाहन पोर्टल पर फरवरी के बिक्री के वास्तविक और घोषित आंकड़ों में विसंगतियां के बीच कंपनी ने यह जानकारी दी।

इससे पहले कंपनी ने ऐलान किया था कि उसने पिछले महीने 25,000 इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे थे। हालों कि वाहन पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार फरवरी के अंत तक और 17 मार्च तक उसने केवल 8,651 स्कूटर पंजीकृत किए। कंपनी ने कहा कि हमारी बिक्री दमदार बनी हुई है और फरवरी के दौरान अस्थायी बैकलॉग का कारण विक्रेताओं के साथ चल रही हमारी बातचीत थी क्योंकि वाहन पंजीकरण का जिम्मा इन डीलर पर ही होता है। इस लंबित काम को तेजी से निपटाया जा रहा है और रोजाना के पंजीकरण हमारी तीन महीने की दैनिक बिक्री के औसत का 50 प्रतिशत से अधिक हैं। फरवरी के बैकलॉग का लगभग 40 प्रतिशत पहले ही निपटा दिया गया है और शेष मार्च 2025 के अंत तक खत्म कर लिया जाएगा।

21 मार्च तक वाहन पोर्टल पर फरवरी की बिक्री का आंकड़ा 8,652 था। मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार वाहनों को खुदरा बिक्री के सात दिन के भीतर संबंधित राज्यों के परिवहन विभाग के पास पंजीकृत कराना होता है। केंद्र सरकार का वाहन पोर्टल सभी पंजीकृत वाहनों को रिकॉर्ड करता है जहां से खुदरा बिक्री के आंकड़े एकत्रित किए जाते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राजस्थान के खिलाफ हैदराबाद जीत का दावेदार

- आईपीएल में 300 रन का आंकड़ा छूने की क्षमता सिर्फ सनराइजर्स हैदराबाद के पास

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में रविवार 23 मार्च को दो मुकाबले होने है पहला मुकाबला सनराइस हैदराबाद और राजस्थान रॉयल के बीच खेला जाएगा। यह मुकाबला दोपहर 3.30 बजे शुरु होगा। अपने घरेलू मैदान पर पहला मैच खेल रही सनराइजर्स को जीत का प्रवल दावेदार माना जा रहा हैं। वहीं यह भी कहा जा रहा हैं कि अगर कोई टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 300 के जादुई आंकड़े को छू सकती है, तो वह सनराइजर्स हैदराबाद है। इस टीम के पास विस्फोटक बल्लेबाजी क्रम और अनुभवी गेंदबाज हैं, जो किसी भी टीम को ध्वस्त करने की क्षमता रखते हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद की टीम में दुनिया के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में शुमार ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा, इशान किशन और हेनरिक क्लासेन मौजूद हैं। ये खिलाड़ी किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को तहस-नहस करने की ताकत रखते हैं। पिछले सत्र में सनराइजर्स ने तीन बार 250 से अधिक का स्कोर बनाया था, जिसमें आरसीबी के खिलाफ 287, मुंबई के खिलाफ 277 और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 266 रन शामिल हैं। इस बार टीम 300 का आंकड़ा छूने के इरादे से उतरेगी।

सनराइजर्स के लिए राहत की खबर यह है कि नीतीश कुमार रेड्डी चोट से उबर चुके हैं और उनकी वापसी से बल्लेबाजी को और मजबूती मिलेगी। हालांकि, सबसे ज्यादा नजरें ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा की ओपनिंग जोड़ी पर रहेंगी। अभिषेक ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ 54 गेंदों में 135 रन की धुआंधार पारी खेली थी और वह उसी लय को आईपीएल में भी जारी रखना चाहेंगे।

वहीं दूसरी ओर, राजस्थान रॉयल्स की गेंदबाजी थोड़ी कमजोर नजर आ रही है। जोफ्रा आर्चर को छोड़कर टीम के पास कोई बड़ा गेंदबाज नहीं है, जो सनराइजर्स के तूफानी बल्लेबाजों को रोक सके। इसके अलावा, राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन उंगली की चोट के कारण शुरुआती मैचों में विकेटकीपिंग और फील्डिंग नहीं कर पाएंगे। ऐसे में टीम की कमान रियान पराग संभालेंगे। राजस्थान के बल्लेबाजी क्रम में जोस बटलर की गैरमौजूदगी टीम के लिए बड़ा झटका है। इस बार टीम को शिमरॉन

हेटमायर, ध्रुव जुरेल, नितीश राणा और यशस्वी जायसवाल से बड़ी उम्मीदें होंगी। हालांकि, पिछले सीजन में दोनों टीमों के बीच खेले गए मुकाबलों में सनराइजर्स ने राजस्थान को हराया था, जिससे उनका आत्मविश्वास काफी ऊंचा होगा।

सनराइजर्स के पास गेंदबाजी में कप्तान पैट कमिंस के साथ मोहम्मद शमी और एडम जंपा जैसे अनुभवी खिलाड़ी संभाल रहे हैं, जो राजस्थान के बल्लेबाजों को रोकने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस मुकाबले में युवा वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में मौका मिलने की संभावना कम है। कुल मिलाकर, राजस्थान के सामने सनराइजर्स की चुनौती कड़ी रहने वाली है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), ट्रैविस हेड, ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन, अभिषेक शर्मा, सचिन बेबी, मोहम्मद शमी, एडम जाम्पा, अनिकेत वर्मा, अभिनव मनोहर, राहुल चाहर, ईशान मलिंगा, हर्षल पटेल, कामिंडु मेंडिस, वियान मुल्डर, नितीश कुमार रेड्डी, अथर्व तायडे, ब्रायडन कार्से, सिमरजीत सिंह, जयदेव उनादकट, जीशान अंसारी.

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), संजू सैमसन, शुभम दुबे, शिम्रोन हेटमायर, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल, नितीश राणा, कुणाल सिंह राठौड़, वैभव सूर्यवंशी, वानिंदु हसरंगा, जोफ्रा आर्चर, अशोक शर्मा, तुषार देशपांडे, फजलहक फारूकी, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, महेश थीक्षाना, युद्धवीर सिंह.

आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन कर इंग्लैंड टीम में जगह बनाना चाहते हैं सैम करन

मुम्बई (एजेंसी)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर सैम करन का लक्ष्य आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन कर इंग्लैंड टीम में वापसी करना है। करन इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम में शामिल है। करन ने पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज के बाद से इंग्लैंड के लिए नहीं खेला है। इसके बाद चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी उन्हें टीम में जगह नहीं मिली थी। इस क्रिकेटर ने कहा, मेरा मुख्य लक्ष्य अब इंग्लैंड टीम में वापसी करना है। इसके लिए मुझे आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। साथ कहा कि इंग्लैंड के साथ मुझे लगता है कि मुझे कभी भी सही भूमिका नहीं मिली है। मुझे लगता है कि अगर मैं इंग्लैंड के साथ अपनी भूमिका सही से निभा पाया, तो मैं टीम में जगह पककी कर पाउंगा।

करन ने कहा, मैं वास्तव में अच्छी स्थिति में हूं। मैं अभी भी काफी युवा हूं और मुझे लगता है कि जब कमजोर चीजों को संभालने की बात आती है तो मैं परिपक्व हो गया हूं। थोड़ा और अनुभवी होने के नाते, हालातों को बेहतर ढंग से समझने के कारण, मुझे वास्तव में उम्मीद है कि मैं टीम में वापस आ सकता हूं। ऐसा करने का केवल एक ही तरीका है और वह है अच्छा प्रदर्शन। सीएसक को 23 मार्च को चेन्नई में मुंबई इंडियंस से खेलना है। आईपीएल 2025 में करन का सीएसके के साथ ये तीसर साल है। इससे पहले वह 2020 और 2021 सीजन में उसकी ओर से खेले हैं। उन्होंने मैकुलम द्वारा दिए गए फीडबैक के बारे में भी बात की कि उन्हें इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल योजना से क्यों बाहर रखा गया। उन्होंने कहा, जब मुझे बाहर रखा गया था, तब मैकुलम ने मुझे शुरुआत में बुलाया था, वह स्पष्ट और ईमानदार थे, और मैं इसका सम्मान करता हूं। मैंने उनके अधीन कभी काम नहीं किया है, लेकिन वह जो वह चाहते हैं बहुत ईमानदार और स्पष्ट दिखते हैं। उन्होंने कहा कि मैं अभी वहां नहीं रहूंगा, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि दरवाजा बंद हो गया है। यह दूर जाने, वास्तव में अच्छा प्रदर्शन करने और प्रदर्शन करने के बारे में है।

सरफराज को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिल सकता है अवसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाने वाले सरफराज खान को जून में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से एक बार फिर अवसर मिल सकता है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्हें एक भी टेस्ट मैच में खेलने का मौका नहीं मिला क्योंकि वह चोटिल हो गए थे। इसके बाद वह घरेलू क्रिकेट भी नहीं खेल पाये। भारतीय टीम को अब टेस्ट क्रिकेट जून में खेलना है। तब टीम इंडिया इंग्लैंड दौरे पर जाएगी जहां उसे मेजबानों के साथ 5 टेस्ट की सीरीज खेलनी है। सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून से खेला जाएगा। सरफराज ने अपना आखिरी टेस्ट न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले साल नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने घर में खेला था। उन्होंने अभी तक भारत के लिए केवल एक टेस्ट में डेब्यू किया है। ऐसे में अब वह तभी भारतीय टीम में नजर आ सकते हैं।

सरफराज का घरेलू क्रिकेट में शानदार रिकॉर्ड है। उन्हें घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद साल 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू का मौका मिला। सरफराज ने अब तक 6 टेस्ट खेले हैं जिसमें उन्होंने 371 रन बनाए हैं जिसमें 1 शतक और 3 अर्धशतक शामिल है। उनका सबसे अधिक स्कोर 150 रन रहा है। इसके अलावा 54 फर्स्ट क्लास मैचों में सरफराज खान के नाम 4593 रन दर्ज हैं।

हार्दिक पंड्या के बगैर सीएसके से भिड़ेगी मुंबई इंडियंस

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में रविवार का दूसरा मुकाबला मुंबई इंडियंस का मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स होगा। यह मुकाबला शाम 7.30 बजे शुरु होगा। मुंबई इंडियंस अपने नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या के बगैर चेन्नई सुपरकिंग्स से भिड़ेगी। पंड्या रविवार को खेले जाने वाले मुकाबले में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। उन पर पिछले सीजन के अंतिम लीग मैच में धीमी ओवर गति के कारण एक मैच का प्रतिबंध लगाया गया था। इस कारण मुंबई इंडियंस की कप्तानी इस मैच में सूर्यकुमार यादव करेंगे। इसके अलावा, टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी चोट के कारण इस मुकाबले में नहीं खेलेंगे, जिससे मुंबई इंडियंस की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

यह मुकाबला चेन्नई के चेपॉक (एमए चिदंबरम स्टेडियम) में खेला जाएगा, जहां की पिच स्पिन गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जाती है। इस पिच का अधिकतम लाभ उठाने के लिए चेन्नई सुपरकिंग्स ने पिछले सीजन की नीलामी में रविचंद्रन अश्विन, नूर अहमद, श्रेयस गोपाल और दीपक हुड्डा जैसे गेंदबाजों को टीम में शामिल किया था। टीम के पास पहले से ही अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा मौजूद हैं, जो स्पिन आक्रमण को और धार देंगे। चेन्नई इस मैच में अपने मजबूत स्पिन आक्रमण का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगा और मुंबई को दबाव में डालना चाहेगा।

वहीं मुंबई इंडियंस के लिए बुमराह की अनुपस्थिति

भी चिंता का विषय है, क्योंकि वह चोट से उबरने की प्रक्रिया में हैं और शुरुआती मुकाबलों में उनके खेलने को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। मुंबई इंडियंस का पिछला सीजन बेहद खराब रहा था, जहां टीम अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर रही थी। हालांकि, इस बार टीम संतुलित नजर आ रही है और मजबूत वापसी की उम्मीद कर रही है। चेन्नई सुपरकिंग्स की बल्लेबाजी में कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के साथ रचिन रवींद्र या डेवोन कॉनवे में से किसी एक को ओपनिंग की जिम्मेदारी दी जा सकती है। मध्यक्रम में राहुल त्रिपाठी, शिवम दुबे, दीपक हुड्डा और विजय शंकर मौजूद हैं, जबकि निचले क्रम में महेंद्र सिंह धोनी और रवींद्र जडेजा टीम को मजबूती देंगे।

वहीं मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी क्रम में ईशान किशन की गैरमौजूदगी में दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर-बल्लेबाज रयान रिकेल्टन को मौका मिल सकता है। सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा मध्यक्रम की जिम्मेदारी संभालेंगे। गेंदबाजी विभाग में ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर और रीस टॉपली की मौजूदगी से टीम को मजबूती मिलेगी, जबकि मिशेल सेंटनर, कर्ण शर्मा और मुजीब उर रहमान स्पिन विभाग संभालेंगे। मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच हालिया रिकॉर्ड की बात करें तो चेन्नई ने पिछले पांच मुकाबलों में से चार में जीत दर्ज की है। ऐसे में यह मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है।

टीम इस प्रकार हैं

चेन्नई सुपर किंग्स: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी (विकेटकीपर), डेवोन कॉनवे, राहुल त्रिपाठी, शेख रशीद, वंश बेदी (विकेटकीपर), सी आंद्रे सिद्धार्थ, रचिन रवींद्र, रविचंद्रन अश्विन, विजय शंकर, सैम कुरेन, अंशुल कंबोज, दीपक हुडा, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्ण घोष, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, खलील अहमद, नूर अहमद, मुकेश चौधरी, गुरजपनीत सिंह, नाथन एलिस, श्रेयस गोपाल, मथीशा पथिराना.

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, रॉबिन मिंज, रयान रिकेलटन (विकेटकीपर), श्रीजीत कृष्णन (विकेटकीपर), बेवोन जैकब्स, तिलक वर्मा, नमन धीर, विल जैक्स, मिशेल सेंटनर, राज अंगद बावा, विग्नेश पुथुर, कॉर्बिन बॉश, ट्रेंट बोल्ट, कर्ण शर्मा, दीपक चाहर, अश्विनी कुमार, रीस टॉपले, वीएस पेनमेत्सा, अर्जुन तेंदुलकर, मुजीब उर रहमान, जसप्रीत बुमराह.

मशहूर हैवीवेट बॉक्सर फॉरमैन का निधन, परिवार ने की पुष्टि

वाशिंगटन। मशहूर हैवीवेट बॉक्सर जॉर्ज फॉरमैन का निधन हो गया है वह 76 वर्ष के थे, उनके परिवार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी पुष्टि की है। बिग जॉर्ज के नाम से मशहूर फॉरमैन ने 1960 के दशक में बॉक्सिंग में करियर शुरु किया था। उन्होंने ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता और दो बार विश्व हैवीवेट चैंपियन बने। उनकी पहली हार 1974 में मोहम्मद अली के खिलाफ ऐतिहासिक मुकाबले में हुई थी, जिसे 'द रंबल इन द जंगल' नाम दिया गया था। फॉरमैन के परिवार की ओर से कहा गया कि हमारा दिल टूट गया है। उन्होंने अपनी जिंदगी अटूट विश्वास, विनम्रता और उद्देश्य से भरी हुई जी है।

विश्व का सबसे अमीर क्रिकेटर है एक भारतीय

नई दिल्ली । भारत ही नहीं विश्व का सबसे धनी क्रिकेटर एक भारतीय है पर उसने एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। ये और कोई नहीं आर्यमन बिड़ला हैं जो बिड़ला समूह के प्रमुख कुमारमंगलम बिड़ला के बेटे हैं। आर्यमन ने मध्य प्रदेश की ओर से घरेलू क्रिकेट खेला है। इस क्रिकेटर ने अपना अंतिम फर्स्ट क्लास मैच जनवरी 2019 में इंदौर में आंध्र प्रदेश के खिलाफ खेला था। इसके बाद वह अपने कारोबार में लग गये थे। एक रिपोर्ट के अनुसार आर्यमन की नेटवर्थ लगभग 70,000 करोड़ है। जो सचिन तेंदुलकर की कुल संपत्ति से लगभग 6 गुना ज्यादा है। दो दशक से अधिक समय तक अंतरराष्ट्रीय खेलने वाले सचिन की नेटवर्थ लगभग 1200 करोड़ है ।वहीं विराट कोहली ने कोहली की कुल नेटवर्थ लगभग 1000 करोड़ है। आईसीसी की तीनों ट्रॉफी जीतने वाले दुनिया के इकलौते कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की भी कुल संपत्ति लगभग 923 करोड़ है। आर्यमन को 2017-18 में मध्य प्रदेश की रणजी ट्रॉफी टीम में चुना गया था। आईपीएल 2018 में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें अपनी टीम में लिया था। राजस्थान रॉयल्स ने तब नीलामी में आर्यमन को 30 लाख में खरीदा था। आर्यमन ने 9 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और एक अर्धशतक की मदद से कुल 414 रन बनाए हैं। लिस्ट ए (घरेलू क्रिकेट में सीमित ओवरों का मैच) के 4 मैचों में 36 रन बनाए हैं। साल 2019 में आर्यमन निजी कारणों से क्रिकेट से ब्रेक ले लिया। वह आईपीएल में दो सीजन राजस्थान रॉयल्स के साथ रहे हालांकि उन्हें एक भी मैच में खेलने का अवसर नहीं मिला।

कार्लोस अल्काराज को डेविड गाफिन ने हराया, जोकोविच ने तीसरे दौर में प्रवेश किया

मियामी (एजेंसी)। कार्लोस अल्काराज को मियामी ओपन के दूसरे दौर में बेल्जियम के डेविड गाफिन ने हराया। गाफिन ने प्रत्येक सेट में दूसरे सीड की सर्विस को तोड़ने में कामयाबी हासिल की, अपने दूसरे मैच पॉइंट पर जीत को पक्का किया जब कोर्ट में स्लाइड करते हुए अल्काराज एक फोरहैंड को वापस नहीं कर सके, जिसे गाफिन ने कोने में कुशलता से रखा था। गाफिन के लिए अगला मुकाबला अमेरिकी ब्रैंडन नकाशिमा से है, जिन्होंने रॉबर्टो कार्बेल्स बेना पर 6-4, 4-6, 6-3 से जीत हासिल की। छह बार के मियामी ओपन चैंपियन नोवाक जोकोविच ने ऑस्ट्रेलिया के रिंकी हिजिकाटा पर 6-0, 7-6(1) की शानदार जीत के साथ टूर्नामेंट में अपनी बहुप्रतीक्षित वापसी कर तीसरे दौर में प्रवेश किया। यह 2019 के बाद से जोकोविच की मियामी में पहली उपस्थिति थी और उनकी जीत उनकी 410वीं एटीपी

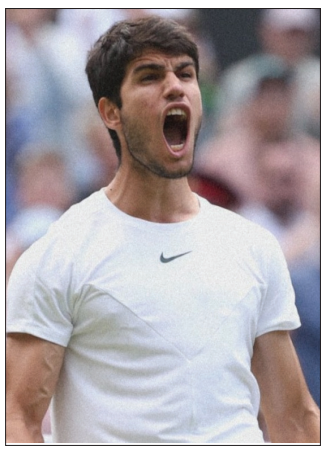

मास्टर्स 1000 मैच जीत थी, जिसने उन्हें श्रृंखला में सबसे अधिक जीत के लिए राफेल नडाल के साथ बराबरी पर ला खड़ा किया। जोकोविच ने कहा, मैं खुद को और दूसरों को भी यह बताना चाहता था कि मैं अभी भी उच्च स्तर पर खेलने में सक्षम हूं।

दूसरी ओर, सातवें वरीय रूस के दानिल मेदवेदेव, जो मौजूदा मियामी चैंपियन हैं और इंडियन वेल्स में सेमीफाइनल में पहुंचे हैं, पहले दौर में ही स्पेन के जौम मुनार से हार गए। अन्य उल्लेखनीय परिणामों में मियामी के पूर्व फाइनलिस्ट कैस्पर रूड और ग्रिगोर दिमित्रोव आगे बढ़े, जबकि ऑस्ट्रेलियाई निक किर्गियोस, जिन्होंने इस सप्ताह की शुरुआत में 2022 के बाद से अपनी पहली जीत हासिल की, को करेन खाचानोव ने 7-6(3), 6-0 से हराया। महिलाओं की ओर से, रूसी किशोरी मीरा एंड्रीवा, इंडियन वेल्स में सनशाइन डबल का पहला भाग जीतने के बाद मियामी ओपन में डब्यू कर रही हैं, उन्होंने वेरोनिका कुडरमेतोवा को 6-0, 6-2 से हराया। एंड्रीवा का सामना अगले दौर में दोहा चैंपियन अमांडा अनिसिमोवा से होगा।

दूसरी वरीयता प्राप्त पोलैंड की इगा स्वीयाटेक ने अपनी मजबूत फॉर्म के बदौलत कैरोलिन गार्सिया को 6-2, 7-5 से हराकर लगातार दो टूर्नामेंट में दूसरी बार जीत हासिल की है। स्वीयाटेक तीसरे दौर में बेल्जियम की एलिस मर्टेंस से भिड़ेंगी, जिन्होंने पीटन स्टर्न्स को 6-4, 6-1 से हराया। ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन मैडिसन कीज ने अर्मेनिया की एलिना अवनेस्यान को 6-3, 6-3 से हराया और अब उनका अगला मुकाबला फिलिपिनो वाइल्डकार्ड एलेक्जेंड्रा एला से होगा, जिन्होंने 25वीं वरीयता प्राप्त जेलेना ओस्टापेंको को 7-6(2), 7-5 से हराया। पूर्व यूएस ओपन चैंपियन एम्मा राडुकानू ने भी एम्मा नवारो पर कड़े मुकाबले में 7-6(6), 2-6, 7-6(3) से जीत दर्ज की। आगे बढ़ने वाली अन्य महिलाओं में स्पेन की 10वीं वरीयता प्राप्त पाउला बडोसा और चेक गणराज्य की 15वीं वरीयता प्राप्त कैरोलिना मुचोवा शामिल हैं।

फीडे महिला ग्रां प्री शतरंज : झू जिनर ने दूसरे दौर के बाद बढ़त बनाई

निकोसिया , साइप्रस । फीडे महिला ग्रां प्री सीरीज 2024-25 के चौंथे चरण के दूसरे दौर में सिर्फ एक ही मुकाबले का परिणाम निर्णायक रहा, जिसमें चीन की झू जिनर ने जर्मनी की एलिज़ाबेथ पेहट्ज़ नें जीत दर्ज कर टूर्नामेंट में बढ़त बना ली, लेकिन सभी पांच मुकाबले अपने आप में काफी रोमांचक रहे। पूर्व महिला विश्व चैम्पियन उक्रेन की मारिया मुजयचुक और भारत की पूर्व विश्व जूनियर चैम्पियन दिव्या देशमुख के बीच का मुकाबला सबसे पहले समाप्त हुआ। हालांकि सर्दी-जुकाम के चलते दिव्या का स्वास्थ्य पूरी तरह ठीक नहीं था, फिर भी उन्होंने फ्रेंच डिफेंस के स्टीनिट्ज़ वेरिएशन में आसानी से स्थिति को बराबर कर लिया। जिससे ऊंट के एंडगेम में मुकाबला 40 चालो पर ड्रा पर समाप्त हुआ। भारत की शीर्ष खिलाड़ी हरिका द्रोणावल्ली का सामना ग्रीस की स्टावरूला त्सोलाकिडु से था और यह मुकाबला निश्चित रूप से दौर का सबसे मनोरंजक था। हरिका ने रॉसोलिमो अटैक को चुना, जो एक साहसी विकल्प था, क्योंकि स्टावरूला ने पिछले दौर में इसी ओपनिंग में जीत दर्ज की थी। हालांकि हारिका एक समय थोड़ा बेहतर लग रही थी पर 42 चालों के बाद खेल ड्रॉ पर समाप्त हुआ। दूसरे दौर के बाद झू जिनर टूर्नामेंट में एकमात्र खिलाड़ी हैं जिन्होंने जीत दर्ज की और अंकतालिका में बढ़त बनाई है।

विशेषज्ञ बोले रोहित, शुभमन, श्रेयस सहित ये खिलाड़ी बना सकते हैं आईपीएल में सबसे ज्यादा रन

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कौन सा क्रिकेटर सबसे अधिक रन बनाएगा। इसके लिए क्रिकेट विशेषज्ञों ने भविष्यवाणी शुरु कर दी है। कुछ का मानना है कि रोहित शर्मा सबसे ज्यादा रन बनाएंगे जबकि कुछ का मानना है कि शुभमन गिल या के एल राहुल सबसे अधिक रन बनाएंगे पर किसी ने भी स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का नाम नहीं लिया है जबकि विराट ने आईपीएल में सबसे अधिक रन बनाये हैं। कुछ का मानना है कि राजस्थान रॉयल्स के यशस्वी जायसवाल भी सबसे अधिक रन बना सकते हैं। वहीं माइकल वॉन और शॉन पॉलक समेत सहित तीन विशेषज्ञा का मानना है कि बाएं हाथ का यह युवा बल्लेबाज इस सत्र में जमकर रन बनाएगा। वहीं कुछ विशेषज्ञों ने कहा कि पंजाव किंग्स से खेल रहे श्रेयस अय्यर सबसे अधिक रन बनाएंगे। महिला क्रिकेटर लिसा स्थालिकर के अनुसार रोहित इस बार सबसे अधिक रन बनाएंगे जबकि कमेंटेटर हर्षा भोगले और वीरेंद्र सहवाग ने केएल राहुल का नाम लिया है। एडम गिलक्रिस्ट के अनुसार श्रेयस सबसे अधिक रन बनायेंगे। वहीं मुरली कार्तिक ने शुभमन का नाम लिया है जबकि इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के अनुसार यशस्वी जायस्वाल सबसे अधिक रन बनाएंगे।

युवराज संधू 67 के कार्ड के साथ शीर्ष 10 में पहुंचे

मकाऊ । भारतीय गोल्फर युवराज संधू मकाऊ में चल रही इंटरनेशनल सीरीज के तीसरे दौर में शनिवार को तीन अंडर 67 के कार्ड के साथ शीर्ष 10 में जगह बनाने में सफल रहे। एशियाई विकास टूर के विजेता संधू ने मकाऊ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में चार बर्डी के मुकाबले एक बोगी लगाई। शुरुआती तीन दौर के बाद वह नौ अंडर (69-65-67) के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से आठवें पायदान पर है। कट में जगह बनाने वाले अन्य भारतीयों में गगनजीत भुल्लर (73) दो अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त 46वें, अनिर्बान लाहिड़ी (72) एक अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त 53वें जबकि शिव कपूर (79) 78वें स्थान पर हैं।

कोच रिकी पोंटिंग को उम्मीद, पंजाब बनेगा आईपीएल 2025 का नया बादशाह

मोहाली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के नए हेड कोच रिकी पोंटिंग को उम्मीद है कि उनकी टीम इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का खिताब जीत सकती है। ऑस्ट्रेलियाई विश्व कप विजेता टीम के कप्तान पोटिंग इस सीज़न की नीलामी में बनाई गई नई टीम के प्रति काफ़ी आश्वस्त दिखे और उन्हें उम्मीद है कि वे इस साल ट्रॉफी जीतेंगे। आईपीएल ट्रॉफी जीतने को अंतिम लक्ष्य बताते हुए, पोंटिंग ने बताया कि कैसे टीम बेहतर होने और सुधार करने के लिए हर मिनट का उपयोग कर रही है और इसलिए, इस सीजन में किंग्स का सामना करने से पहले विरोधियों को खुद को अच्छी तरह से तैयार करना चाहिए।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि इस टीम का लक्ष्य आईपीएल जीतना है। धर्मशाला में आयोजित कैम्प में शामिल होने के पहले दिन ही मैंने खिलाड़ियों से कहा था कि हम पंजाब किंग्स की सबसे बेहतरीन टीम बनाने जा रहे हैं। हम इसी यात्रा पर हैं और यह रातों-रात नहीं होता। आपको इसे बनाना होता है। पोंटिंग ने कहा कि जीतना वास्तव में एक नजरिया है। अगर हम खेलने के लिए आते हैं, तो विरोधी टीम खेलने के लिए आती है। अगर वे हमें हराना चाहते हैं, तो ऐसा लगता है कि वे हमसे कुछ छीन रहे हैं और मैं किसी को भी मुझसे या मेरी टीम से कुछ छीनने नहीं देना चाहता।

इसके अलावा, नए मुख्य कोच का मानना है कि टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का सही संतुलन है, जो टूर्नामेंट में उनकी सफलता सुनिश्चित करने में एक और महत्वपूर्ण कारक होगा। अभ्यास में पहले से ही उन्हें प्रभावित करने वाले युवाओं का खुलासा करते हुए, रिकी ने कहा कि प्रियांश आर्य, मुझे लगता है कि टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए हमारे लिए एक बहुत ही खास संभावित सलामी बल्लेबाज है। हम अपने विदेशी मेकअप के साथ किस तरह से आगे बढ़ते हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि वह बहुत ही रोमांचक है। सूर्यांश शेज भी ऐसे खिलाड़ी हैं जो अब तक हमारे प्रशिक्षण में बहुत प्रभावशाली रहे हैं।

हेड कोच ने आगे कहा कि जब मैं ऊर्जा और मस्ती की बात करता हूं, तो एक और खिलाड़ी जिससे मैं प्रभावित हूं, वह है मुशीर खान। वह पहले से ही समूह में बहुत कुछ लेकर आया है। उसका रवैया बहुत ही आकर्षक है, और प्रशिक्षण मैदान और टीम के आसपास अब तक, वह ऐसा व्यक्ति रहा है जिसके साथ काम करने में मुझे बहुत मजा आया है।

पोंटिंग ने बताया कि कैसे वह युवाओं के लिए सही उदाहरण स्थापित करने के लिए विदेशी अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा करते हैं क्योंकि युवा उनसे प्रेरणा लेते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत कुछ दिया कि वे सही उदाहरण पेश करें। क्योंकि बहुत से युवा घरेलू भारतीय खिलाड़ी विदेशी लड़कों को आदर्श मानते हैं और अगर विदेशी लड़के सही काम नहीं कर रहे हैं, तो युवा भारतीय खिलाड़ियों के लिए भी सही काम न करना आसान है। इसलिए मैं विदेशी खिलाड़ियों को नेतृत्व करने करने के लिए सशक्त बनाता हूं।

इंडियन प्रीमियर लीग के सीजन 18 के लिए किंग्स का अभियान 25 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ शुरू होगा। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ एक और मैच के बाद, वे अपने घरेलू

मैदान- न्यू पीसीए स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़ में राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ दो घरेलू मैच खेलने के लिए वापस आएंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सीमा हैदर ने दिया बच्ची को जन्म, पाकिस्तानी पति गुलाम में लगी मिर्ची

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान से भारत आई सीमा हैदर और उसके पति सचिन मीणा के घर खुशखबरी आई है। गत 18 मार्च की सुबह हॉस्पिटल में सीमा ने एक बेटी को जन्म दिया। इस खुशी में जहां सीमा-सचिन का परिवार झूम रहा है, वहीं पाकिस्तान में सीमा के पूर्व पति गुलाम हैदर ने नाराजगी जाहिर की है। गुलाम हैदर ने वीडियो जारी किया, जिसमें उन्होंने सीमा के नवजात बच्चे को 'नाजायज बताया है। साथ ही, सीमा के वकील ए.पी. सिंह पर भी निशाना साधकर कहा कि वह 'नाजायज औलाद' के जन्म पर बधाई देकर भारत को बदनाम कर रहे हैं। गुलाम ने भारत सरकार से फिर सीमा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। गुलाम ने कहा कि वह पिछले दो साल से अपने चार बच्चों से मिलने के लिए बेताब है। गुलाम ने आरोप लगाया कि सीमा बिना तलाक के सचिन से शादी कैसे कर सकती है? 'अब उसने नाजायज बच्चे को जन्म दिया है, यह गुनाह है। वह चाहे जहां रहे, लेकिन मेरे चार बच्चे मुझे सौंप दें। गुलाम ने भारतीय प्रशासन पर भी सवाल उठाकर कहा कि पुलिस और अधिकारी मामले में मूकदर्शक बने हुए है। उन्होंने दावा किया कि सीमा की बहन रीमा भी इस फैसले से खुश नहीं है। गुलाम हैदर ने भारत सरकार से भी गुहार लगाई हैं कि मैं दो साल से अपने बच्चों को देख भी नहीं पाया हूं। उनकी आवाज तक नहीं सुनी। सीमा खुलेआम जो चाहे कर रही है। क्या वहां उसे कोई रोकने वाला नहीं है?'

डिप्टी सीएम पवार ने दिया मुस्लिम समुदाय को सुरक्षा का भरोसा

मुंबई (एजेंसी)। नागपुर में 17 मार्च को हुई हिंसा के बाद महाराष्ट्र में सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। इस बीच डिप्टी सीएम अजित पवार ने मुस्लिम समुदाय को सुरक्षा का भरोसा दिलाकर कहा कि जो भी सांप्रदायिक तनाव फैलाएगा, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। मुंबई के इस्लाम जिमखाना में आयोजित इफ्तार पार्टी के दौरान मंत्री पवार ने कहा कि जो भी मुस्लिम भाइयों को डराने-धमकाने की कोशिश करेगा, कानून को हाथ में लेगा या सांप्रदायिक तनाव फैलाएगा, उन्हें किसी भी सूरत में माफ नहीं किया जाएगा।रमजान केवल एक धर्म तक सीमित नहीं है। यह हमें एकता और भाईचारे का संदेश देता है। छत्रपति शिवाजी महाराज, बाबा साहब आंबेडकर, महात्मा ज्योतिबा फुले और शाहू जी महाराज ने समाज को एकजुट करने का काम किया। हमें उनकी विरासत को आगे बढ़ाना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने नागपुर हिंसा की जांच क्राइम ब्रांच को सौंप दी है। वहीं, पुलिस ने माइनॉरिटीज डेमोक्रेटिक पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हामिद इंजीनियर को गिरफ्तार किया है। वहीं नागपुर में कर्फ्यू के छठे दिन (शनिवार) भी 9 थाना क्षेत्रों में पाबंदियां जारी हैं। नंदनवन और कपिलनगर थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू हटा लिया गया, इंटरनेट सेवाएं भी बहाल कर दी गई हैं। अन्य क्षेत्रों में दोपहर 2 से 4 बजे तक कर्फ्यू में ढील दी गई। कर्फ्यू हटाने पर फैसला हाई-लेवल रिव्यू मीटिंग के बाद होगा। पुलिस ने हिंसा मामले में अब तक 105 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, इसमें 10 किशोर भी शामिल हैं। 17 आरोपियों को कोर्ट ने 22 मार्च तक पुलिस कस्टडी में भेजा।

ईपीएफओ से इस साल जुड़े 17.89 लाख सदस्य, महिलाएं सबसे ज्यादा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने कहा कि इस साल जनवरी में 17.89 लाख सदस्य इस संगठन से जुड़े हैं। यह आंकड़ा दिसंबर 2024 के मुकाबले मासिक आधार पर 11.48 फीसदी ज्यादा है। ईपीएफओ के आधिकारिक बयान के मुताबिक पेरोल में जनवरी 2024 के मुकाबले 11.67 फीसदी का इजाफा हुआ। जनवरी 2025 में ईपीएफओ से करीब 8.23 लाख नए सब्सक्राइबर्स जुड़े हैं, जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 1.87 फीसदी ज्यादा है। आंकड़ों के मुताबिक 18-25 आयु वर्ग का प्रभुत्व लगातार बना है। जनवरी 2025 में इस आयु वर्ग के 4.70 लाख नए सदस्य जुड़े, जो समीक्षा अवधि में जोड़े गए कुल नए सदस्यों का 57.07 फीसदी है। इस महीने में जोड़े गए 18-25 आयु वर्ग के नए सदस्यों की संख्या पिछले साल इसी महीने की तुलना में 3.07 फीसदी ज्यादा है। इसके अलावा, जनवरी 2025 के लिए 18-25 आयु वर्ग के लिए शुद्ध पेरोल वृद्धि करीब 7.27 लाख है, जो दिसंबर 2024 के पिछले महीने की तुलना में 6.19 फीसदी ज्यादा और जनवरी 2024 की तुलना में 8.15 फीसदी ज्यादा है। एक विश्लेषण के मुताबिक कुल नए सदस्यों में से करीब 2.17 लाख महिलाएं हैं। यह आंकड़ा जनवरी 2024 की तुलना में 6.01 फीसदी की सालाना वृद्धि दर्शाता है। महीने के दौरान शुद्ध महिला पेरोल वृद्धि करीब 3.44 लाख रही, जो दिसंबर 2024 की तुलना में 13.48 फीसदी और जनवरी 2024 की तुलना में 13.58 फीसदी ज्यादा है। इसके अतिरिक्त, सरकार ईपीएफओ में क्लेम को सुविधाजनक बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। ईपीएफओ ने चालू वित्त वर्ष में रिकॉर्ड 2.16 करोड़ ऑटो क्लेम का सेटलमेंट किया है। पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा 89.52 लाख था।

बदमाशों ने बेरहमी से की हिस्ट्रीशीटर की हत्या, नाली में पड़ा रहा शव

अलीगढ (एजेंसी)। बरला क्षेत्र के गांव गाजीपुर में हिस्ट्रीशीटर की हत्या बेरहमी से की गई थी। उसे चार गोलियां लगी थीं। तीन सीने व एक कमर में थी। इससे फेफड़ा व लिवर फट गया। पसलियां टूट गईं। गर्दन के पास पीछे की तरफ गोली से घाव के निशान प्रतीत हो रहे थे। इससे स्पष्ट है कि बदमाशों ने उसे भागने तक का मौका नहीं किया। बरला के गांव गाजीपुर निवासी शिवनारायण दो भाइयों में बड़ा था। शादी नहीं हुई थी। खेतीबाड़ी करता था। वह गांव में ही अपने घर में परिवार के साथ रहता था। गुरुवार शाम को ?वह बाजार घूमने गया था। गोलगप्पे खाने के बाद घर लौट रहा था। करीब आधा किलोमीटर दूर तिराहे के पास बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। उनके छोटे भाई रौदास गिरी ने बताया कि जब भाई को फोन लगाया तो कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इस पर तलाश की गई। रास्ते में नाले में उसका शव पड़ा मिला। अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। मामले में शिवनारायण के पिता सांवल गिरी ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

आने वाले वर्षों में भारतीय अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में देखने को मिलेगी उछाल

-फिक्की और ईवाई की रिपोर्ट के मुताबिक यह वृद्धि होगी 400 प्रतिशत तक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में आने वाले वर्षों में तेजी से उछाल देखने को मिलेगी। फिक्की और ईवाई द्वारा जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था 2022 में 8.4 बिलियन डॉलर थी, जो 2033 तक 44 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है। यह अनुमान 400 फीसदी की जबरदस्त वृद्धि को दर्शाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का अंतरिक्ष उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है, जिसका मुख्य कारण उपग्रह प्रक्षेपण, अंतरिक्ष अन्वेषण और निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी है। सरकार द्वारा लाई गई भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 ने इस क्षेत्र को स्थिरता और नवाचार से भरपूर बना दिया है, जिससे व्यावसायीकरण और तकनीकी विकास को बल मिल रहा है।

भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का प्रमुख योगदानकर्ता: उपग्रह संचार

अगले दशक में भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं को नया आकार मिलने वाला है। रिपोर्ट के अनुसार, उपग्रह संचार इस क्षेत्र का सबसे बड़ा योगदानकर्ता होगा, जिससे डॉलर 14.8 बिलियन का इजाफा होने की संभावना है। उपग्रह संचार भारत की डिजिटल क्रांति को बढ़ावा देगा, खासकर ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में। लो अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) और मीडियम अर्थ ऑर्बिट (एमईओ) उपग्रहों के जरिये ब्रॉडबैंड नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा। इससे डिजिटल इंडिया और भारतनेट जैसी राष्ट्रीय योजनाओं को मजबूती मिलेगी, जिससे देशभर में इंटरनेट कनेक्टिविटी और डिजिटल सुविधाओं का विस्तार होगा।

निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी से अंतरिक्ष क्षेत्र को मिलेगा नया आयाम

भारत सरकार अब अंतरिक्ष उद्योग को एक सरकारी-केंद्रित मॉडल से एक नवाचार-संचालित और व्यावसायिक रूप से उन्मुख मॉडल में बदल रही है। निजी कंपनियों के लिए अब उपग्रह प्रक्षेपण और डेटा सेवाओं में निवेश के नए अवसर खुल रहे हैं। यह परिवर्तन कृषि, आपदा प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन अध्ययन जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

अंतरिक्ष क्षेत्र के विकास की नींव रखेगा नवाचार : किरण कुमार

इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. ए. एस. किरण कुमार ने कहा कि वैश्विक भागीदारी और निजी क्षेत्र का नवाचार भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के विकास की नींव रखेगा। अंतरिक्ष क्षेत्र में उछाल से नौकरियों और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में यह वृद्धि केवल तकनीकी दृष्टि से ही नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से भी बहुत महत्वपूर्ण है। इससे हजारों नई नौकरियों का सृजन होगा। भारत की वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में हिस्सेदारी बढ़ेगी। भारत का अंतरिक्ष उद्योग विश्व के सबसे बड़े अंतरिक्ष उद्योगों में से एक बनने की ओर अग्रसर है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब पहले से कहीं अधिक उज्जवल और संभावनाओं से भरी है।

11 मछुआरे श्रीलंका की जेल से रिहा, चेन्नई एयरपोर्ट पहुंचे

- 11 में से दो मछुआरों को 80,000 रुपये का जुर्माना भरने के बाद छोड़ दिया गया

चेन्नई। श्रीलंकाई जेल में बंद 11 भारतीय मछुआरों को रिहा कर दिया गया है। इन मछुआरों में से दो को 80,000 रुपये का जुर्माना भरने के बाद छोड़ दिया गया है। सभी मछुआरे चेन्नई एयरपोर्ट पहुंचे और इस घटना ने भारत और श्रीलंका के बीच सीमा पर मछली पकड़ने के विवाद को एक नई धार दी है। पिछले महीने 2 फरवरी को तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले के मंडपम इलाके से 10 मछुआरे सीमा पार करने के आरोप में श्रीलंकाई नौसेना द्वारा गिरफ्तार किए गए थे। उन्हें जेल भेज दिया गया था, जिसमें से एक मछुआर, प्रताप, दूसरी बार पकड़ा गया था और उसे दो साल की सजा सुनाई गई। इसके बाद 19 फरवरी को रामेश्वरम के चार मछुआर भी सीमा पार करने के आरोप में गिरफ्तार हुए और जेल भेज दिया गया। इसमें एक मछुआर, कैनेडी, 80,000 रुपये का जुर्माना भरने के बाद रिहा कर दिया गया। 2 फरवरी को पकड़े गए 10 मछुआरों में से 9 को 14 मार्च को रिहा कर दिया गया, जबकि बाकी की रिहाई की प्रक्रिया जारी है। कई मछुआरों को 80,000 रुपये का जुर्माना भरना पड़ा है, जिसके बाद वे रिहा किए गए हैं। इन मछुआरों को रिहा करने के बाद उन्हें कोलंबो में भारतीय दूतावास में हवाला किया गया है। उनकी मेडिकल जांच के बाद उन्हें आपातकालीन पासपोर्ट और हवाई टिकट दिए गए हैं। इन मछुआरों को चेन्नई भेज दिया गया और तमिलनाडु मत्स्य विभाग के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया और उन्हें उनके घरों तक पहुंचाया गया। यह इंसिडेंट सीमा क्षेत्रों में मछली पकड़ने और विवादों को लेकर भारत और श्रीलंका के बीच तनाव का कारण बना है। राजनीतिक दृष्टिकोण से दोनों देशों के बीच संवाद और समझौते की मांग को जोर देने की मांग की गई है।

दिशा सालियान मामले की सुनवाई 2 अप्रैल को, आदित्य ठाकरे को लेकर हो सकते हैं बड़े खुलासे

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने दिवंगत दिशा के पिता सतीश सालियान की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई की तारीख तय कर दी है। मामले में सुनवाई अब 2 अप्रैल 2025 को होगी। सतीश ने अपने वकील के जरिए याचिका दायर की थी, जिसकी एक प्रति पूर्व नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) अधिकारी समीर वानखेड़े को भी दी गई है। समीर वानखेड़े के वकील ने बताया कि उनके मुवक्किल इस मामले में हाई कोर्ट के सामने एक विस्तृत हलफनामा पेश करने की तैयारी कर रहे हैं। इस हलफनामे में वानखेड़े से जुड़े सभी सवालों और आरोपों का जवाब होगा। सूत्रों के मुताबिक, वानखेड़े अपनी जांच के दौरान जुटाए गए कुछ अहम सबूत भी कोर्ट के सामने रख सकते हैं। इन सबूतों में अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती और शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे से जुड़ी जानकारी शामिल हो सकती है। बताया जा रहा हैं कि वानखेड़े का हलफनामा पहले ही तैयार हो चुका है। यह तब तैयार किया गया था, जब याचिका की प्रति मीडिया में लीक हो गई थी। सूत्रों का दावा हैं कि हलफनामे में कुछ चौंकाने वाले खुलासे हो सकते हैं, जो कई लोगों को कानूनी मुश्किल में डाल सकते हैं। अगर ये दावे सही साबित हुए, तब मामला एक नया और बड़ा मोड़ ले सकता है। बात दें कि दिशा सालियान की मौत जून 2020 में हुई थी, इसके बाद से यह मामला चर्चा में रहा है। सतीश का मानना है कि उनकी बेटी की मौत के पीछे कई सवाल अनसुलझे हैं। अब हाई कोर्ट में होने वाली सुनवाई से मामले में नई जानकारी सामने आने की उम्मीद है। जैसे-जैसे यह कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ेगी, और तथ्य सामने आएंगे, इसकी पूरी जानकारी लोगों तक पहुंचाई जाएगी। यह मामला न सिर्फ दिशा के परिवार के लिए, बल्कि सभी संबंधित पक्षों के लिए बेहद अहम साबित हो सकता है।

सोनिया गांधी और जया बच्चन में बातचीत के मायने परिवारों की दूरियां खत्म?

पटना (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन हाल ही में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) द्वारा आयोजित इफ्तार पार्टी में एक साथ एक ही टेबल पर नजर आईं हैं। इस बीच दोनों में बातचीत होते हुए भी देखा गया, जिसके बाद कहा जा रहा है कि इस मुलाकात ने दोनों परिवारों के बीच वर्षों से चली आ रही दूरियों को खत्म करने और करीब आने का रास्ता बना दिया है। इस संदर्भ में मीडिया में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है।

आईयूएमएल की इफ्तार पार्टी का एक वीडियो बहुत तेजी से वायरल हुआ है, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि इफ्तार पार्टी में सोनिया गांधी और जया बच्चन एक-दूसरे के बगल में बैठीं और बातचीत कर रही हैं। इस दृश्य ने उन कयासों को बल दिया कि शायद अब दोनों परिवारों के बीच की दूरी कुछ कम हो रही है। वायरल हुए वीडियो में देखा जा सकता है कि सोनिया गांधी ने जया बच्चन को कुछ खाने का इशारा किया, जिस पर जया ने प्रतिक्रिया दी और दोनों हंस पड़ीं।

यहां बताते चलें कि गांधी और बच्चन परिवार के रिश्तों की जड़ें काफी गहरी रही हैं। अमिताभ बच्चन की मां तेजी बच्चन और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बीच घनिष्ठ मित्रता थी, जिसने दोनों परिवारों को बेहद करीब ला दिया था। अमिताभ बच्चन और राजीव गांधी बचपन से ही अच्छे दोस्त रहे। यहां तक कि जब सोनिया गांधी भारत आईं, तो उन्होंने अपने शुरुआती दिन बच्चन परिवार के साथ बिताए थे। 1984 में राजीव गांधी के आग्रह पर, अमिताभ बच्चन ने इलाहाबाद से लोकसभा चुनाव लड़ा और शानदार जीत हासिल की। हालांकि, बाद में बोफोर्स घोटाले में नाम जुड़ने और राजनीति में बढ़ते विवादों के चलते अमिताभ ने राजनीति से संन्यास ले लिया। इस घटना ने दोनों परिवारों के बीच दूरियां बढ़ा दीं।

समय-समय पर दिखा शिष्टाचार

हालांकि, सार्वजनिक मंचों पर दोनों परिवारों के सदस्यों के बीच शिष्टाचारपूर्ण मुलाकातें होती रही हैं। बावजूद इसके, पहले जैसी घनिष्ठता अब नजर नहीं आती। सोनिया गांधी और जया बच्चन की इस इफ्तार पार्टी में हुई मुलाकात ने एक बार फिर इस रिश्ते को सुर्खियों में ला दिया है। क्या यह मुलाकात दोनों परिवारों के बीच नई शुरुआत का संकेत है? यह तो आने वाला समय ही बताएगा, लेकिन इस तस्वीर ने निश्चित रूप से राजनीतिक और सामाजिक हलकों में एक नई बहस को जन्म दे दिया है।

इसमें कोई शक नहीं कि जम्मू-कश्मीर विकास के रास्ते पर है: शर्मा

-अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद आतंकवाद को करारा झटका लगा

जम्मू (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार में जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में कमी आई है। शाह के इस बयान पर अब बीजेपी विधायक और जम्मू-कश्मीर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई शह नहीं है कि जम्मू-कश्मीर विकास के रास्ते पर है।

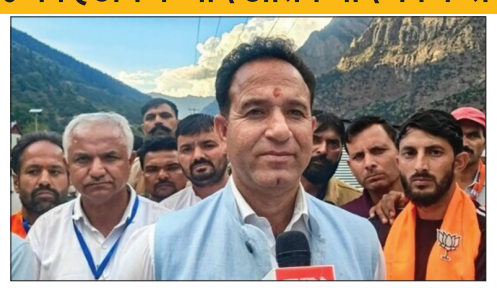

सुनील शर्मा ने कहा कि अमित शाह ने बहुत स्पष्ट कहा है कि 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर विकास के रास्ते पर चल पड़ा है। साल 2019 में अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद आतंकवाद को करारा झटका लगा है। जम्मू-कश्मीर में स्थानीय स्तर पर आतंकियों की भर्ती खत्म हुई है और विदेशी आतंकियों पर भी कार्रवाई हो रही है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकियों पर हुई कार्रवाई से प्रदेश में अब व्यापक रूप से विकास हो रहा है। जम्मू-कश्मीर में अब फोरलेन बन रहे हैं। कई एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य जारी है और कई संस्थान बनाए जा रहे हैं।

हालांकि, दुर्भाग्य है कि राहुल गांधी की आंखों पर अभी भी काला चश्मा लगा है। वे अपनी भारत जोड़ो यात्रा के तहत कश्मीर में आए और यहां आकर उन्होंने बर्फ से भी खेला। मगर उन्हें तो आतंकी ही दिखाई देते हैं। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर असदुद्दीन ओवैसी के बयान को लेकर शर्मा ने कहा कि असदुद्दीन ओवैसी से आप और क्या उम्मीद कर सकते हैं? क्या उन्होंने कभी ऐसे किसी सुधार का समर्थन किया है जिससे इस राष्ट्र की प्रगति और विकास में योगदान मिला हो? तो अब आप उनसे कुछ अलग की उम्मीद कैसे कर सकते हैं। बता दें, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को राज?यसभा में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर बिना नाम लिए निशाना साधा था। गृह विभाग पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए शाह ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को लेकर कटाक्ष किया था। शाह ने कहा था कि उन्होंने पैदल यात्रा निकाली और अपने कार्यकर्ताओं के साथ कश्मीर में बर्फ की होली खेली और कहा कि दूर से आतंकवादी दिखाई पड़ा था। लेकिन हम तो आतंकवादी देखते ही सीधा दो आंखों के बीच में गोली मारते हैं।

हर तरफ बिहार दिवस की धूम, बिहार दिवस को बीजेपी ने अपना एजेंडा बनाया

पटना (एजेंसी)। बिहार अपने स्थापना का 113 वां वर्ष मना रहा है। 22 मार्च, 1912 में बंगाल से बिहार अलग हुआ था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2010 में बिहार दिवस मनाने का बड़ा फैसला लिया था। तब से लगातार इसका आयोजन हो रहा है। इस बार भी 22 मार्च से 24 मार्च तक पटना के गांधी मैदान में अब तक का सबसे बड़ा कार्यक्रम होने जा रहा है। बिहार सरकार की ओर से यह कार्यक्रम होगा। देश और विदेश में भी बिहार दिवस पर कार्यक्रम होते रहे हैं, इस बार भी होंगे लेकिन इस बार बीजेपी ने पूरे देश में 70 स्थान को चयनित किया है। जहां बिहार दिवस का कार्यक्रम आयोजित होगा। एक भारत श्रेष्ठ भारत स्नेह मिलन कार्यक्रम के माध्यम से प्रवासी बिहारी को साधने की कोशिश होगी। बीजेपी के कई दिग्गज नेता इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। बिहार के लोग विशेष कर दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र, यूपी, पश्चिम बंगाल, पंजाब, हरियाणा, असम जैसे राज्यों में बड़ी संख्या में रहते हैं। इस साल अक्टूबर-नवंबर में बिहार विधानसभा का चुनाव होना है और बीजेपी की नजर विधानसभा चुनाव पर है।

अमित शाह का मिशन प्रवासी बिहारी

चुनावी साल में अमित शाह की बिहार फतह की रणनीति मानी जा रही है। बिहार से बाहर करीब 3 करोड़ बिहारी प्रवासी रहते हैं और उसमें अधिकांश बिहार के मतदाता हैं। छठ महापर्व के समय इसमें से करीब एक करोड़ लोग बिहार आते हैं। कई बार चुनाव में अपनी बड़ी भूमिका भी निभाते हैं। इस बार का चुनाव भी दिलचस्प होनेवाला है, ऐसे में प्रवासी बिहारी पर सब की नजर है। बिहार दिवस के माध्यम से बीजेपी प्रवासी के बीच एक संदेश देने की कोशिश करने वाली है। बीजेपी ने 70 स्थान पर बिहार दिवस मनाने का बड़ा अभियान बनाया है। यह 22 मार्च से 30 मार्च तक चलेगा जिसमें पार्टी के कई दिग्गज नेता शामिल होंगे। दरअसल, पिछले छठ पूजा के दौरान रेलवे की ओर से जारी आंकड़े के अनुसार 78 लाख लोग दूसरे राज्यों से बिहार पहुंचे थे। वहीं केंद्र सरकार के एक आंकड़े के अनुसार ढाई करोड़ के करीब बिहार के लोग दूसरे राज्यों में रह रहे हैं। इन्हीं बिहारी प्रवासी पर बिहार के राजनीतिक दलों की नजर है।

हर तरफ बिहार दिवस की धूम

22 मार्च 1912 को बिहार बंगाल से अलग हुआ था और बिहार का अस्तित्व अलग राज्य के रूप में कायम हुआ बिहारी अस्मिता को जगाने के लिए नीतीश सरकार ने बिहार दिवस मनाने की परंपरा की शुरुआत की थी। नीतीश सरकार ने साल 2012 में यह निर्णय लिया था कि बिहार दिवस उत्सव रूप में मनाया जाएगा और तब से लगातार भारत के कोने-कोने में बिहार दिवस मनाया जाता है। अब बिहार दिवस की धमक विदेश तक पहुंच चुकी है।

भारत का दबाव आया काम, अमेरिकी कंपनी जीई एचएएल को जल्द देगी पहला इंजन

-2025 में 12 इंजन और इसके बार हर साल 20 इंजन देगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ को लेकर चिंता बनी हुई है, लेकिन सुरक्षा सहयोग के मोर्चे पर सकारात्मक पहल हुई है। अमेरिकी विमान इंजन निर्माता जीई (जनरल इलेक्ट्रिक) इस महीने के अंत तक 99 जीई-404 इंजनों में से पहला इंजन हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को सौंप देगी है। यह डिलीवरी दो साल की देरी के बाद हो रही है, इससे भारतीय वायुसेना (आईएएफ) को काफी राहत मिलेगी। यह कदम तेजस एमके1ए कार्यक्रम को गति देगा, जिसके तहत वायु सेना को 83 विमानों की सप्लाई होनी है। इस विमान ने मार्च 2024 में अपनी पहली उड़ान भरी थी, लेकिन तब इसमें नए इंजन के बजाय रिजर्व इंजन का उपयोग हुआ था। जीई-404 इंजन भारत में निर्मित तेजस मार्क 1-ए लड़ाकू विमानों को पावर देता है। एचएएल द्वारा इन विमानों की डिलीवरी में हो रही देरी को लेकर वायुसेना पहले ही चिंता जता चुकी है। मामले से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, पहला इंजन वर्तमान में टेस्ट-बेड पर है और इस महीने के अंत तक एचएएल को मिल सकता है। इसके बाद 2025 में 12 इंजन और उसके बाद हर साल 20 इंजन की डिलीवरी देने की बात कही गई है।

बता दें कि 2021 में 716 मिलियन डॉलर के कॉन्ट्रैक्ट के तहत, जीई को 99 एफ-404 इंजनों की आपूर्ति करनी थी, जिसकी शुरुआत मूल रूप से मार्च 2023 से होनी थी। हालांकि, सप्लाई चैन में समस्याओं और महामारी के दौरान पुराने सप्लायर के बंद होने के कारण इसमें देरी हुई। अब, अधिकारियों के अनुसार, पहला इंजन परीक्षण के दौर से गुजर रहा है और इस मार्च के अंत तक एचएएल को सौंप दिया जाएगा।

जीई और एचएएल मिलकर भारत में जीई-414 इंजन के निर्माण पर भी कार्य कर रहे हैं। यह इंजन एडवांस मल्टी-रोल कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) को शक्ति देगा, जिसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) विकसित कर रहा है। इस प्रोजेक्ट के तहत इंडिया-यूएस के बीच आईसीईटी समझौते के तहत तकनीक ट्रांसफर की योजना बनाई गई है। दरअसल बीते दिनों अमेरिका के दवारा इंजन में देरी करने पर भारत से अपने भरोसेमंद दोस्त रुस से इसबारे में चर्चा की थी। जिसके बाद अब अमेरिकी कंपनी जीआई की ओर से इंजन देने की बात सामने आई है।

वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को एफ-35 फिफ्थ-जनरेशन फाइटर जेट की आपूर्ति का प्रस्ताव दिया है, लेकिन भारत इस दौरान फ्रांसीसी विकल्प पर भी विचार कर रहा है। फ्रांस के साथ बातचीत के तहत 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत भारत में राफेल लड़ाकू विमान और उसके एम-88 इंजन के निर्माण का प्रस्ताव भी शामिल है। सुरक्षा क्षेत्र में हो रही इन नई पहल से भारत के रक्षा क्षमताओं को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

कनाडा में 28 अप्रैल को हो सकते हैं चुनाव, प्रधानमंत्री कार्नी जल्द घोषणा करेंगे

ओटावा, एजेंसी। कनाडा में अगला चुनाव 28 अप्रैल को हो सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक

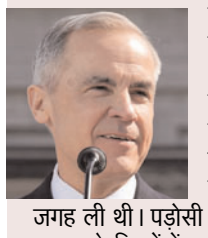

कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी 23 मार्च को देश में चुनाव कराने की घोषणा कर सकते हैं। बीते 9 मार्च को कार्नी ने पूर्व पीएम जस्टिन ट्रूडो की जगह ली थी। पड़ोसी देश अमेरिका के साथ कनाडा के रिश्तों में तनाव पर लगातार सुर्खियों में है। कनाडा के बिजनेस अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर से जूझ रहे हैं। ऐसे में दो बार केंद्रीय बैंक के गवर्नर रह चुके कार्नी से यह उम्मीद की जा रही है कि वे डोनाल्ड ट्रम्प का मुकाबला करने के लिए स्वयं को सबसे उपयुक्त उम्मीदवार के रूप में पेश करेंगे।

बांग्लादेश में शेख हसीना की पार्टी को बैन नहीं करेगी यूनुस सरकार

ढाका, एजेंसी। मोहम्मद यूनुस ने कहा है कि शेख हसीना की पार्टी बांग्लादेश अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने की अंतरिम सरकार की कोई योजना नहीं है। लेकिन उन्होंने कहा कि हत्या और मानवता के खिलाफ अपराधों में शामिल लोगों को देश की अदालतों में मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। हसीना को भी इसका सामना करना पड़ेगा। मोहम्मद युनूस के मीडिया विभाग ने गुरुवार को एक बयान में यह बात कही है। इसमें यह भी कहा गया कि देश में चुनाव की तारीख में कोई बदलाव नहीं होगा। इससे पहले यूनुस सरकार दिसंबर 2025 या फिर जनवरी 2026 में चुनाव कराने का ऐलान कर चुकी है।

फ्रांस ने अपने नागरिकों से तुरंत ईरान छोड़ने की अपील की, कहा- वहां वे गिरफ्तार हो सकते हैं

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस ने अपने नागरिकों से ईरान को तुरंत छोड़ने की अपील की है। फ्रांस के

विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को फ्रेंच नागरिक ओलिवियर ग्रोंडेउ की रिहाई के बाद यह चेतावनी जारी की। ग्रोंडेउ 880 दिनों से अधिक समय से ईरान में कैद था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता क्रिस्टोफ लेमोइन ने कहा कि फ्रेंच नागरिकों को बिना किसी वजह के हिरासत में लिए जाने का खतरा है। उन्होंने कहा, हमारे नागरिकों को केवल इसलिए गिरफ्तार किया जा सकता है क्योंकि वे फ्रांसीसी या यूरोपीय नागरिक हैं।

न्यूयॉर्क में पत्रकार मसीह अलीनेजाद की हत्या की साजिश में दो लोग दोषी करार

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क शहर में एक जूरी ने दो लोगों को ईरानी अमेरिकी पत्रकार मसीह अलीनेजाद की हत्या की साजिश रचने का दोषी ठहराया है। अभियोजकों ने बताया कि यह हत्या की साजिश ईरानी सरकार द्वारा वित्तपोषित थी। गुरुवार को न्यूयॉर्क की एक संघीय अदालत में यह फैसला सुनाया गया, जो दो सप्ताह तक चले मुकदमे का अंत था। इस मुकदमे में मसीह अलीनेजाद की गवाही भी शामिल थी, जो वॉयस ऑफ अमेरिका की लेखिका, कार्यकर्ता और योगदानकर्ता हैं। अभियोग के अनुसार, दोषी ठहराए गए दोनों व्यक्ति रफत अमीरोव और पोलाड ओमारोव, रूस के एक गिरोह से जुड़े हुए थे और इन दोनों ने मिलकर पत्रकार की हत्या करने की साजिश रची थी। हालांकि, उनके वकीलों ने इस आरोप को नकारते हुए कहा कि वे निर्दोष हैं और मुकदमे में पेश किए गए सबूत सही नहीं थे।

अफगानिस्तान में 4.9 तीव्रता का भूकंप

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में शुक्रवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, शुक्रवार को अफगानिस्तान में 4.9 तीव्रता का भूकंप आया। यह भूकंप 160 किलोमीटर की गहराई पर महसूस किया गया। एनसीएस ने अपने आधिकारिक पोस्ट में बताया कि भूकंप 21 मार्च, 2025 को सुबह 1:00 बजे हुआ। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान में 36.48ए उत्तरी अक्षांश और 71.45ए पूर्वी देशांतर पर था। बता दें कि इससे पहले 13 मार्च को भी अफगानिस्तान में एक और भूकंप आया था, जिसकी तीव्रता 4.0 थी। यह भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई पर आया था, जिससे इसे आफ्टरशॉक (बाद का भूकंप) का खतरा था। एनसीएस के अनुसार, इस भूकंप का केंद्र 36.69ए उत्तरी अक्षांश और 69.70ए पूर्वी देशांतर पर था।

बांग्लादेश में बीएनपी के छात्र नेता की गुटीय झड़प में मौत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की छात्र शाखा जातीयतावादी छात्र दल (जेसीडी) के एक स्थानीय नेता की गुटीय झड़प में गंभीर रूप से घायल होने के बाद मौत हो गई। 27 वर्षीय मोहम्मद राशिद, जो जेसीडी की यूनियन-स्तरीय समिति के पूर्व महासचिव थे, बुधवार सुबह ढाका के दक्षिण सकुचिया संघ के वार्ड-9 स्थित नूरुद्दीन बाजार में हुई झड़प में गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

उत्तर कोरिया ने नई विमानभेदी मिसाइलों का किया परीक्षण

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने शुक्रवार को नई विमान भेदी मिसाइलों का परीक्षण किया। उसकी सेना ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास को लेकर उनके खिलाफ गंभीर कदम उठाने की धमकी दी है। उत्तर कोरिया ने अपने परीक्षण को आक्रमण का पूर्वाभ्यास बताया है। आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने कहा कि उनके नेता किम जोंग उन ने गुरुवार को परीक्षणों की निगरानी की और कहा कि ये मिसाइलें उत्तर कोरिया के लिए एक और प्रमुख रक्षा हथियार प्रणाली हैं।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने समाप्त किया 11 दिन का प्रशिक्षण मिसाइल प्रक्षेपण, इस वर्ष उत्तर कोरिया की छठी हथियार परीक्षण गतिविधि, उसी दिन हुई जिस दिन अमेरिका और दक्षिण कोरियाई सेनाओं ने अपना वार्षिक फ्रीडम शील्ड कमांड पोस्ट अभ्यास समाप्त किया। 11 दिवसीय प्रशिक्षण जनवरी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उद्घाटन के बाद से सहयोगियों का पहला प्रमुख संयुक्त सैन्य अभ्यास था। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के अधिकारी अपने संयुक्त सैन्य अभ्यास को रक्षात्मक प्रकृति का बताते हैं, लेकिन उत्तर कोरिया इसे एक बड़ा सुरक्षा खतरा मानता है। 10 मार्च को इस

साल के फ्रीडम शील्ड प्रशिक्षण के शुरू होने के कुछ ही घंटों बाद उत्तर कोरिया ने समुद्र में कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं।

शुक्रवार को उत्तर कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने आरोप लगाया कि हाल ही में अमेरिका-दक्षिण कोरिया के बीच हुए अभ्यास में उत्तर कोरिया के परमाणु हथियारों को हटाने के लिए भूमिगत सुरंगों को नष्ट करने की कोशिश की गई। मंत्रालय के एक अज्ञात प्रवक्ता ने कहा कि अगर अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने फिर से इसी तरह की भड़काऊ कार्रवाई की तो उन्हें इसके परिणाम भुगतने होंगे।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया पर उत्तर कोरिया की बयानबाजी शुरू केसीएनए में प्रकाशित एक बयान में प्रवक्ता ने कहा, अमेरिका और दक्षिण कोरिया के लापरवाह सैन्य कदम, इस दिवास्वप्न से ग्रसित हैं कि वे एक परमाणु हथियार संपन्न राज्य की संप्रभुता और सुरक्षा को खतरे में डाल सकते हैं, निस्संदेह सबसे गंभीर परिणाम ला सकते हैं, जो वे नहीं चाहते हैं। आरओके कोरिया गणराज्य है, जो दक्षिण कोरिया का आधिकारिक नाम है। जब अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सेनाएं बड़े अभ्यास करती हैं, तो उत्तर कोरिया अक्सर युद्ध जैसी बयानबाजी और हमलों की धमकियां देता है। ट्रंप ने कहा है कि वह अपनी कूटनीति को पुनर्जीवित करने के लिए किम से संपर्क करने को तैयार हैं, लेकिन उत्तर कोरिया ने ट्रंप के प्रस्ताव पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। कई विशेषज्ञों का कहना है कि किम, जो अब यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध प्रयासों के समर्थन में व्यस्त हैं, संभवतः ट्रंप के प्रस्ताव को जल्द ही स्वीकार नहीं करेंगे, लेकिन युद्ध समाप्त होने पर वे इस पर गंभीरता से विचार कर सकते हैं। उत्तर कोरिया के संभावित परमाणु निरस्त्रीकरण पर चर्चा करने के लिए किम और ट्रम्प ने 2018-19 में तीन बार मुलाकात की, लेकिन उत्तर कोरिया पर अमेरिका के नेतृत्व वाले आर्थिक प्रतिबंधों पर विवाद के कारण अंततः उनकी कूटनीति टूट गई।

अमेरिकी हत्यारे को 20 साल बाद सुई से सजा-ए-मौत; घर में घुसकर ली थी महिला की जान

मैकएलेस्टर , एजेंसी। अमेरिका के ओक्लाहोमा में 20 साल पुराने डकैती और हत्या के एक मामले में वेंडेल ग्रिसोम नाम के एक व्यक्ति को मौत के सजा के तहत इंजेक्शन देकर मृत घोषित किया गया। बता दें कि 56 वर्षीय वेंडेल ग्रिसोम और उसके सहयोगी जेसी फ्लॉयड जॉन्स को एम्बर मैथ्यूज की हत्या और ड्रेउ कोपफ को घायल करने के मामले में दोषी ठहराया गया था। इसके बाद कोर्ट ने वेंडल ग्रिसोम को मौत की सजा सुनाई थी। साथ ही जॉन्स को पैरोल के बिना जेल में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

अब पूरे मामले पर एक नजर : मीडिया रिपोर्ट की माने तो आज से 20 साल पहले ग्रिसम और जॉन्स ने एक डकैती करने की योजना बनाई। दोनों ने बेतरतीब ढंग से वाटोंगा के पास कोपफ के घर को चुना, जहां एम्बर मैथ्यूज नामक महिला अपने बच्चों से मिलने गई थी। डकैती के दौरान उन्होंने मैथ्यूज को सिर में दो गोली मारी, जिससे उसकी मौत हो गई, जबकि कोपफ नामक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ लेकिन वह भागकर मदद के लिए गया। दोनों आरोपियों ने एक चोरी की गाड़ी से भागने की कोशिश की, लेकिन जल्दी ही वे पकड़े गए। मैथ्यूज की मौत हेलीकॉप्टर से अस्पताल ले जाते समय हुई।

क्षमादान याचिका की गई थी अस्वीकार : हालांकि मौत की सजा का एलान होने के बाद ग्रिसम के वकीलों ने कहा कि वो मानसिक रूप से बीमार था, जो कि पहले अदालत में पेश नहीं की गई थी, लेकिन राज्य के क्षमादान बोर्ड ने उसकी याचिका को अस्वीकार कर दिया।

अमेरिका में इस सप्ताह तीन अपराधियों को मिली मौत : मीडिया रिपोर्टस के अनुसार इस सप्ताह अमेरिका में तीन अन्य आरोपियों को सजाए-मौत हुई। जहां लुइसियाना में 15 साल के बाद पहली बार नाइट्रोजन गैस का इस्तेमाल करके एक व्यक्ति को मौत की सजा दी गई। इसके बाद, एक व्यक्ति को अपनी प्रेमिका के पूर्व पति का अपहरण और हत्या करने के अपराध में बुधवार को घातक इंजेक्शन दिया गया। साथ ही फ्लोरिडा में गुरुवार को एक और व्यक्ति को घातक इंजेक्शन दिए जाने की योजना थी।

लंदन में 24 घंटे के लिए बंद हुआ हीथ्रो एयरपोर्ट, पावर सबस्टेशन में आग लगने से बिजली आपूर्ति में दिक्कत

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में हीथ्रो एयरपोर्ट शुक्रवार को बंद रहेगा। एयरपोर्ट के पास एक इलेक्ट्रिकल सबस्टेशन में आग लगने की वजह से ऐसा किया गया है। आग लगने की वजह से एयरपोर्ट को बिजली की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। आग वेस्ट लंदन के हेस में लगी है। इस वजह से 16 हजार से ज्यादा घरों की बिजली गुल है। करीब 150 लोगों को यहां से सुरक्षित निकाला गया है। लंदन फायर ब्रिगेड ने कहा कि वे आग पर काबू पाने में जुटे हैं। इसके लिए 70 फायर फाइटर्स तैनात हैं। आग लगने की वजह का पता नहीं चल पाया है। हीथ्रो एयरपोर्ट ने बयान जारी कर यात्रियों से एयरपोर्ट पर न आने की अपील की है। हीथ्रो ब्रिटेन का सबसे बड़ा एयरपोर्ट है। यहां पर हर दिन लगभग 1,300 लैंडिंग और टेक-ऑफ होते हैं। पिछले साल यहां से 8 करोड़ 30 लाख यात्रियों ने फ्लाइट पकड़ी थी।

ट्रम्प के खिलाफ आदेश देने वाले जजों को ऑनलाइन धमकी

दहशत में अमेरिकी जस्टिस ; जज विरोधी नेताओं को फंडिंग कर रहे मस्क

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव प्रचार के दौरान डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिकी जजों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की धमकी देते थे। अब ट्रम्प के राष्ट्रपति की कुर्सी संभालने के बाद उनके आदेशों के खिलाफ फैसला सुनाने वाले अमेरिकी जजों को अपनी सुरक्षा की चिंता सताने लगी है। दरअसल, अमेरिका के कई फेडरल जजों को डर है कि ट्रम्प प्रशासन की नीतियों को चुनौती देने वाले उच्च-स्तरीय मामलों की देखरेख करने वालों के विरुद्ध ऑनलाइन धमकियां वास्तविक दुनिया में हिंसा का कारण बन सकती हैं।

ट्रम्प ने खिलाफ फैसला सुनाने वाले जज के खिलाफ महाभियोग की मांग की : राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रम्प के कार्यकारी आदेशों के खिलाफ सुनवाई करने वाले जजों और इलॉन मस्क के डीओजीई के आदेश के बाद नौकरी से हटाए गए अधिकारियों से जुड़े मामलों की सुनवाई करने वाले फेडरल जजों के खिलाफ सोशल मीडिया पर धमकियों की बाढ़ आ गई है। हाल ही में, राष्ट्रपति ट्रम्प ने एक संघीय जज के खिलाफ महाभियोग की मांग की, जिसने उनके प्रशासन के खिलाफ फैसला सुनाया था। इसके बाद सोशल मीडिया पर जज के खिलाफ धमकियों तेज हो गईं। इनमें जज को हथकड़ी लगाकर ले जाते हुए दिखाए गए चित्र भी शामिल थे।

जजों पर महाभियोग का समर्थन करने वालों को मस्क ने भारी डोनेशन दिया : मस्क ने उन रिपब्लिकन सासंदों को ज्यादा दान दिया है, जो राष्ट्रपति ट्रम्प के खिलाफ फैसले देने वाले फेडरल

जजों पर महाभियोग चलाने का समर्थन करते हैं। मस्क ने 7 रिपब्लिकन अभियानों को 5.41 लाख रुपए का कानूनी अधिकतम दान दिया। इनमें एरिजोना के एली क्रेन, कोलोराडो की लॉरेन बोएबर्ट, टेनेसी के एंडी ओगल्स, जॉर्जिया के एंड्रयू क्लाइड, विस्कॉन्सिन के डेरिक वैन ऑर्डेन और टेक्सास के ब्रैंडन गिल शामिल हैं। पिज्जा, पार्सल और गुमनाम कॉल के जरिए जजों को धमकी जजों के खिलाफ धमकियां कोई नई बात नहीं हैं, लेकिन हाल के वर्षों में इनकी संख्या बढ़ी है। बम की धमकी, घर के पते पर पुलिस की स्वाट टीमों को भेजने के लिए गुमनाम कॉल, पिज्जा की डिलीवरी के जरिए जजों को धमकियां मिल रही है। ट्रम्प प्रशासन के खिलाफ केस की सुनवाई कर रहे एक जज ने कहा कि धमकाने वाले जानते हैं कि आप और आपके परिवार के सदस्य कहां रहते हैं। इससे हिंसा की आशंका बढ़ रही हैं। न्यूजर्सी जिले के अमेरिकी जिला कोर्ट की जज एस्तेर सालास का कहना है, मुझे ऐसा लगता है कि लोग हमारे जीवन के साथ रूसी रूले खेल रहे हैं। बता दें कि जज एस्तेर के 20 वर्षीय बेटे को 2020 में उनके घर पर एक स्व-घोषित नारीवाद विरोधी वकील ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। उन्होंने कहा कि यह कोई अतिशयोक्ति नहीं है। मैं अपने नेताओं से विनती करती हूं कि वे समझें कि यहां लोगों की जान दांव पर लगी है। चार्ल्सटन में सुप्रीम कोर्ट की जज एमी कोनी बैरेट को धमकी मिली थी कि उनके मेलबॉक्स में बम है।

रिपोर्ट में दावा- चीन के खिलाफ युद्ध की खुफिया रणनीति मस्क के साथ साझा करेगा पेंटागन; ट्रंप ने किया खंडन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन मीडिया रिपोर्ट्स का खंडन किया है, जिनमें दावा किया गया है कि अमेरिका का रक्षा विभाग पेंटागन चीन के खिलाफ युद्ध की खुफिया रणनीति अरबपति कारोबारी एलन मस्क के साथ साझा करेगा। ट्रंप ने इस खबर को झूठ बताया है। दरअसल अमेरिकी न्यूज चैनल न्यूयॉर्क टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें दावा किया कि पेंटागन के अधिकारी चीन के खिलाफ युद्ध की खुफिया रणनीति को राष्ट्रपति ट्रंप के सामने पेश करने से पहले सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख और राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी एलन मस्क को इसकी जानकारी देंगे।

ट्रंप ने किया खंडन : राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर साझा किए एक पोस्ट में लिखा कि चीन का इस बैठक में जिक्र भी नहीं होगा। ये कितना शर्मनाक है कि ये बदनाम मीडिया इस तरह के झूठ भी गढ़ सकता है। खैर इस कहानी में कोई सच्चाई नहीं है। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर लिखा कि हम कल पेंटागन में मस्क का स्वागत करेंगे, लेकिन एक बार फिर फर्जी खबर फैलाई गई। यह

बैठक चीन के साथ युद्ध के किसी खुफिया प्लान के बारे में नहीं है बल्कि ये एक अनौपचारिक बैठक है, जिसमें नवाचार, दक्षता और बेहतर उत्पादन पर चर्चा होगी।

मीडिया रिपोर्ट के दावे के बाद ट्रंप प्रशासन के आलोचकों ने इसे मुद्दा बना लिया और विपक्षी डेमोक्रेट नेताओं ने कहा कि टेस्ला के सीईओ एलन मस्क के चीन से व्यापार हित जुड़े हैं। ऐसे में मस्क के साथ संघीय सरकार की गोपनीय सूचनाएं साझा करने पर सवाल उठाए। रिपोर्ट में चीन युद्ध योजना की टॉप-सीक्रेट जानकारी मस्क के साथ साझा करने का दावा न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस टॉप-सीक्रेट ब्रीफिंग में 20 से 30 स्लाइड्स शामिल हैं। जिसमें अमेरिका की चीन के खिलाफ युद्ध की संभावित रणनीतियों का विवरण दिया गया है। इसमें यह भी बताया गया है कि किन चीनी ठिकानों पर हमला किया जा सकता है और किस समय अवधि में यह कार्रवाई की जाएगी। यह योजना राष्ट्रपति ट्रंप को भी प्रस्तुत की जाएगी। व्हाइट हाउस और मस्क ने नहीं की पुष्टि व्हाइट हाउस और एलन मस्क ने अभी तक इस पेंटागन दौरे की पुष्टि नहीं की है। हालांकि, रक्षा विभाग के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने न्यूयॉर्क टाइम्स से कहा, रक्षा विभाग एलन मस्क का शुक्रवार को पेंटागन में स्वागत करने के लिए उत्साहित है। उन्हें रक्षा मंत्री हेगसेथ द्वारा आमंत्रित किया गया था और वे सिर्फ एक दौरे पर आ रहे हैं। मस्क की भूमिका पर उठ रहे सवाल एलन मस्क पहले से ही ट्रंप प्रशासन में अपनी भूमिका को लेकर जांच के दायरे में हैं। 53 वर्षीय मस्क जनवरी में ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद से सरकारी खर्चों में कटौती के प्रयासों का नेतृत्व कर रहे हैं।

भारतीय शोधकर्ता के निर्वासन पर जज ने लगाई रोक, हमास का समर्थन करने का है आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। कथित तौर पर हमास का समर्थन करने के लिए जिन भारतीय शोधकर्ता पर निर्वासन की तलवार लटक रही थी, उन्हें अब अमेरिका के एक जज ने बड़ी राहत देते हुए उनके निर्वासन पर फिलहाल रोक लगा दी है। बद्र खान सूरी वॉशिंगटन डीसी की जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी में पोस्ट डॉक्टरल फेलो हैं। बद्र खान सूरी पर बीते दिनों अमेरिका में हमास के समर्थन में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान आतंकी संगठन का समर्थन करने का आरोप लगा है। ट्रंप सरकार हमास समर्थकों को देश से निर्वासित कर रही है, जिसके बाद बद्र खान सूरी को भी हिरासत में लिया गया है।

भारतीय शोधकर्ता पर ये हैं आरोप : बद्र खान सूरी ने अपने निर्वासन के खिलाफ अदालत में अपील की। अब गुरुवार को वर्जीनिया अदालत की जज पैट्रिसिया टोलिवर जाइल्स ने अपने आदेश में बद्र खान सूरी के निर्वासन पर अदालत के अगले आदेश तक रोक लगा दी है। बद्र सूरी को लुइसियाना के एक डिटेंश सेंटर में हिरासत में रखा गया है। अमेरिका के मानवाधिकार संगठन अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन ने भी इस मामले में एक याचिका दायर की थी। बद्र खान सूरी को सोमवार को उनके अर्लिंगटन स्थित आवास से हिरासत में लिया गया था। अमेरिका के आंतरिक सुरक्षा विभाग होमलैंड सिक्योरिटी विभाग का दावा है कि बद्र खान सूरी हमास का प्रोपेगेंडा फैला

रहे थे और सोशल मीडिया पर यहूदी विरोध को बढ़ावा दे रहे थे। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग का आरोप है कि बद्र खान सूरी के हमास के साथ संबंध भी हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सूरी के वकील हसन अहमद ने अपनी याचिका में तर्क दिया कि सूरी को उनकी फलस्तीनी मूल की पत्नी की विरासत के कारण दंडित किया जा रहा है। उनकी पत्नी मेफेज सालेह गाजा मूल की हैं। फिलहाल वह जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के समकालीन अरब अध्ययन केंद्र में प्रथम वर्ष की छात्रा हैं। उन्होंने फलस्तीन स्थित गाजा के इस्लामिक विश्वविद्यालय से पत्रकारिता और सूचना में स्नातक की डिग्री ली है। उन्होंने भारत में नई दिल्ली के जामिया मिलिया इस्लामिया में नेल्सन मंडेला सेंटर फॉर पीस एंड कॉन्फ्लिक्ट रेजोल्यूशन से संघर्ष विश्लेषण और शांति स्थापाना में मास्टर्स डिग्री भी प्राप्त की है।

टेस्ला साइबरट्रक में बड़ा संकट:46,000 वाहनों को वापस बुलाया, सुरक्षा कारणों से कंपनी की 8वीं रिकॉल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सुरक्षा विनियामकों ने टेस्ला को एक और बड़ा झटका दिया है। इसके तहत टेस्ला के लगभग सभी साइबरट्रक वाहनों को वापस बुला लिया गया है। यह टेस्ला द्वारा निर्मित वाहनों के लिए अब तक की आठवीं रिकॉल कार्रवाई है। रिकॉल में शामिल 46,000 से अधिक साइबरट्रक को वापस मंगाया गया है। ये सभी वाहन वर्ष 2024 और 2025 मॉडल हैं, जो 13 नवंबर 2023 से लेकर 27 फरवरी 2025 के बीच बनाए गए थे।

एनएचटीएसए ने दी जानकारी : नेशनल हाईवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन (एनएचटीएसए) ने बताया कि साइबरट्रक के विंडशील्ड के बाएं और दाएं किनारे पर एक बाहरी पैनल चलने के दौरान अलग हो सकता है, जो सड़क पर अन्य ड्राइवरों के लिए खतरनाक हो सकता है और दुर्घटना का कारण बन सकता है। मामले में एनएचटीएसए ने ये भी कहा कि इस चिपकने वाले पदार्थ में पर्यावरणीय भंगुरता के कारण समस्या आ सकती है। इसके समाधान के लिए, टेस्ला अतिरिक्त मजबूती के साथ नए चिपकने वाले पदार्थ का उपयोग करेगा। टेस्ला इन वाहनों को मुफ्त में ठीक करेगा और मालिकों को 19 मई 2025 तक एक सूचना पत्र भेजा जाएगा।

रिकॉल टेस्ला के लिए झटका, समझिए कैसे : बता दें कि यह रिकॉल कार्रवाई टेस्ला के लिए एक और झटका है, जो पिछले कुछ समय से लगातार सुरक्षा समस्याओं का सामना कर रहा है। हाल ही में, टेस्ला के इलेक्ट्रिक इन्वर्टर में खराबी की वजह से भी वाहनों को रिकॉल किया गया था, जिससे ड्राइव व्हील्स की शक्ति कम हो सकती थी। इसके अलावा, एक्सेलेरेशन पैडल की समस्या, विंडशील्ड वाइपर और डिस्प्ले स्क्रीन

की खराबी जैसी अन्य समस्याएं भी सामने आ चुकी हैं। गौरतलब है कि साइबरट्रक को 2023 के अंत में ग्राहकों को डिलीवर करना शुरू किया गया था। साथ ही इसकी डिलीवरी के बाद से यह आठवीं बार है जब इसे वापस मंगाया गया है। हालांकि, इस बार किसी भी घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन टेस्ला के लिए यह एक नई चिंता है क्योंकि कंपनी पहले से ही बढ़ती प्रतिस्पर्धा और सुरक्षा मुद्दों से जूझ रही है।

टेस्ला के शोरूप बन रहें हमलों का शिकार इसके अलावा, टेस्ला के शोरूम और चार्जिंग स्टेशनों को हाल ही में कई हमलों का शिकार भी बनाया गया है। इनमें वाहनों पर मोलोटोव कॉकटेल फेंकने और इमारतों पर आपत्तिजनक शब्दों को स्प्रे-पेंट करने जैसे घटनाएं शामिल हैं। इन हमलों के बाद से कंपनी को सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, टेस्ला के शेयरों पर इस रिकॉल का कोई खास असर नहीं पड़ा, लेकिन 2025 में कंपनी के शेयरों में 42प्रतिशत की गिरावट आई है, जो वैश्विक बिक्री में गिरावट और कंपनी की स्थिति पर नए निराशावाद को दर्शाता है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)